mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-119 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
01 मई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

नागपुर में आरएसएस मुख्यालय समेत कई जगहों को मिली धमकी, रेडियोएक्टिव पदार्थ रखने का दावा, हाई अलर्ट जारी

नागपुर,एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर में उच्च सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। दरअसल, पुलिस आयुक्त को एक गुमनाम पत्र भेजा गया है जिसमें दावा किया गया है कि महल स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय और रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर में रेडियोएक्टिव पदार्थ का छिड़काव किया गया है। यह पत्र कथित तौर से डीएसएस नामक एक संगठन की ओर से भेजा गया है। इस पत्र की वजह से जांच बहुत गंभीर हो गई। आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और एनडीआरएफ जैसी एजेंसियों को भी इसमें शामिल किया गया ।

पत्र में क्या लिखा है?

अंग्रेजी में लिखा गया गुमनाम पत्र 27 अप्रैल को डाक की ओर से पुलिस आयुक्त डॉ. रविंद्रकुमार सिंघल के कार्यालय पहुंचा। इसमें आरएसएस के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही एक भयावह चेतावनी जारी की गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीजियम-137 नामक एक अत्यंत खतरनाक रेडियोएक्टिव पाउडर को कथित तौर पर कई महत्वपूर्ण स्थानों पर रखा गया है।

रेडियोएक्टिव पदार्थ क्या है?

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीजियम-137 (137Cs) धातु सीजियम का एक रेडियोएक्टिव समस्थानिक है। यह प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता। यह परमाणु रिएक्टरों और हथियारों में यूरेनियम के परमाणु विखंडन का उप-उत्पाद है। इसकी अर्धायु 30.05 वर्ष है, जिसका अर्थ है कि इसकी रेडियोधर्मिता को आधा होने में तीन दशक लगते हैं। यह बीटा कण और शक्तिशाली गामा किरणें उत्सर्जित करता है।

ब्रिटिश किंग से मिले न्यूयॉर्क मेयर ममदानी

मुलाकात से पहले कहा था- कोहिनूर भारत को लौटाने बोलूंगा; यह हीरा 177 साल से ब्रिटेन के पास

न्यूयॉर्क,एजेंसी। ब्रिटिश किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने बुधवार को न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात की। यह शाही जोड़ा 9/11 मेमोरियल पहुंचा था जहां उन्होंने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

खास बात यह है कि इस मुलाकात से कुछ घंटे पहले ममदानी ने कहा था कि अगर उन्हें किंग चार्ल्स से अलग से बात करने का मौका मिला, तो वे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की बात उठाएंगे। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि इस छोटी बातचीत के दौरान ममदानी ने यह मुद्दा उठाया या नहीं। उनके ऑफिस से भी इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं मिला।कोहिनूर वही हीरा है जो ब्रिटेन के शाही ताज में जड़ा है और टावर ऑफ लंदन में रखा गया है। यह 177 साल से ब्रिटेन के पास है। भारत ने ब्रिटेन के सामने कई बार कोहिनूर हीरे पर अपना कानूनी हक होने का दावा किया है।

1849 से ब्रिटेन के पास कोहिनूर हीरा

कोहिनूर हीरा 1849 से ब्रिटेन के पास है। द्वितीय एंग्लो-सिख युद्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से सिख साम्राज्य के हारने के बाद अंग्रेजों ने पूरे पंजाब पर कब्जा कर लिया। उस समय सिख साम्राज्य के शासक दलीप सिंह थे, जिनकी उम्र सिर्फ 10 साल थी।

सुप्रीम कोर्ट में हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज

बेंच बोली:हम संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली,एजेंसी।सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हेट स्पीच से जुड़ी याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि अदालत संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे पर कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। अदालत केवल जरूरत की ओर ध्यान दिला सकती है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि नीति बनाना और कानून तैयार करना विधायिका के दायरे में आता है। अदालत इसमें दखल नहीं दे सकती।

कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर दिया, जिनमें केंद्र सरकार को हेट स्पीच और अफवाह फैलाने से जुड़े कानूनों की समीक्षा कर नया कानून बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

कोर्ट बोला- हेट स्पीच को लेकर कानून में कोई खालीपन नहीं:बेंच ने कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा हेट स्पीच जैसे मामलों से निपटने के लिए सक्षम है। समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने में देरी या असमानता की है। कोर्ट के मुताबिक कई मामलों में कार्रवाई समय पर नहीं होती या एक जैसी नहीं होती।

कोर्ट ने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि इस क्षेत्र में कोई कानूनी खालीपन है। कानून मौजूद हैं और उनमें ऐसे प्रावधान हैं, जो सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने या समुदायों के बीच तनाव फैलाने वाले व्यवहार से निपट सकते हैं।

म.प्र.-में पिकअप वाहन पलटने से 16 की मौत

धार, एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार में बुधवार रात हुए पिकअप हादसे में नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों ने जान गवां दी। सभी का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह अलग-अलग श्मशान घाट पर किया गया।

अपनों को खोने वाले परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। कोई पत्नी की तस्वीर हाथ में लेकर बैठा है तो कोई उनके कपड़े एकटक देख रहा है। रिश्तेदारों की आंखें भी नम हैं। पूरे गांव में मातम छाया है।

बता दें कि बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे मजदूरों से भरा पिकअप वाहन टायर फटने से डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया था। वाहन ने 3-4 बार पलटी खाई। फिर सड़क के रॉन्ग साइड जाकर स्कॉर्पियो से टकराया था। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, 13 घायल हैं। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं।

एक्सीडेंट इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के चिकलिया फाटा पर जियो पेट्रोल पंप के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप की रफ्तार करीब 100 किमी प्रतिघंटा रही होगी।

यूपी और बिहार में आंधी-बारिश से 18 मौतें

बांदा में लगातार तीसरे दिन पारा 45 डिग्री पार

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ,एजेंसी।देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3डिग्री तक घट भी गया।

उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए।

यूपी का बांदा लगातार तीसरे दिन 45.8डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। राजस्थान-मध्य प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा। एमपी में भोपाल और सीधी सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां पारा 43डिग्री से ज्यादा रहा।

राजस्थान-दिल्ली में आधे दिन लू, आधे दिन बारिश

नॉर्थ-ईस्ट के 7 राज्यों में बारिश

पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं।मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश में आंधी, बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

एक साथ तीन सिस्टम एक्टिव, इसलिए मौसम के ऐसे हालात

दरअसल, देश में कई मौसमी सिस्टम एक साथ एक्टिव हो गए हैं। उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस, उत्तर से पूर्व तक फैली ट्रफ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, ये तीनों मिलकर अस्थिर मौसम बना रहे हैं। जिन क्षेत्रों तक नमी नहीं पहुंच रही, वहां जमीन बेहद गर्म होने से लू चल रही है।मौसम के ऐसे हालात पूरी तरह असामान्य नहीं हैं। अप्रैल-मई में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होती हैं। पर इस बार कई सिस्टम एक साथ ज्यादा एक्टिव हैं। इसी कारण मौसम का असर ज्यादा तेज दिख रहा है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी ठंडी और नम हवाओं का सिस्टम है। भूमध्यसागर क्षेत्र से उत्तर भारत तक आता है। अभी उत्तरी पाकिस्तान व आसपास के क्षेत्रों पर सक्रिय है। असर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड तक है। उत्तर भारत के मैदानों में इसी वजह से आंधी-बारिश हो रही है।ट्रफ लाइन यानी यह

कच्चा तेल चार साल में सबसे महंगा

जंग के बीच कीमत 126 प्रति बैरल पहुंची

ईरान का तंज- अगला पड़ाव 140 डॉलर

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल के पार कर गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 126.31 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई, जो मार्च 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फिलहाल यह 125 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेंड कर रहा है।BBC के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आज ईरान के खिलाफ हमले से जुड़ी ब्रीफिंग दी जाएगी। सेंटकॉम ने ईरान के खिलाफ 'छोटे लेकिन बहुत ताकतवर हमलों' की प्लानिंग तैयार की है। इसका मकसद सीधे युद्ध को लंबा खींचना नहीं, बल्कि ईरान पर दबाव बनाना है ताकि वह बातचीत में झुक जाए।

इसी खबर के बाहर आने के बाद तेल की कीमतें बढ़ी हैं। वही तेल की कीमतें बढ़ने को लेकर ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने तंज कसते हुए कहा कि अगला पड़ाव 140 डॉलर होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को उनके लोग बेकार सलाह दे रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट का भी मजाक उड़ाया और कहा कि उनकी सलाह की वजह से तेल की कीमतों में इजाफा हो रहा है।

राजनाथ बोले- ऑपरेशन सिंदूर अपनी मर्जी से रोका:न्यूक्लियर हमले से नहीं डरे

भारत आईटी का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है। राजनाथ ने कहा- भारत आज इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) के लिए जाना जाता है जबकि पाकिस्तान को 'IT यानी इंटरनेशनल टेररिज्म' का केंद्र माना जाता है।

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

जरूरत पड़ने पर हवा में टारगेट बदला जा सकता है; डीआरडीओ-नेवी का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी।डीआरडीआ और नौसेना ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया।

इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है।ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी।

जहाज को ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला वार:मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है। मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है। साथ ही टारगेट पहचानने, रास्ता तय करने और ऊंचाई बनाए रखने के लिए कई तकनीकें जोड़ी गई हैं।

देश में हर आठ में से एक बीमार, दिल के मरीज 7 साल में तीन गुना

- 15 से 29 साल के युवा भी आ रहे चपेट में

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी पारिवारिक सामाजिक उपभोग स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार, देश में संक्रामक बीमारियों में कमी आई है, लेकिन दिल की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों में वृद्धि हुई है। पिछले सात साल में देश में हृदय रोग से पीड़ितों की संख्या में करीब तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है। यहां तक कि अब 15 से 29 साल के युवा भी दिल की बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। एनएसओ की रिपोर्ट 80वें दौर, जनवरी-दिसंबर 2025 के स्वास्थ्य सर्वेक्षण पर आधारित है। यह देश में बीमारियों, इलाज के तरीकों और स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च की तस्वीर पेश करती है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में पिछले 15 दिनों के दौरान करीब 13.1 प्रतिशत लोग बीमार पड़े। प्रति एक लाख आबादी पर कुल 15,217 बीमारियों के मामले दर्ज किए गए। इससे यह संकेत मिलता है कि कई लोगों को एक से अधिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं। महिलाओं में यह संख्या 17,006 रही, जो पुरुषों के 13,504 मामलों से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, शहरी इलाकों में बीमारी की दर ग्रामीण इलाकों की तुलना में अधिक है। शहरों में लगभग 14.9 प्रतिशत लोग बीमार पड़े, तो ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा लगभग 12.2 प्रतिशत था। लिंग के आधार पर भी इसमें अंतर देखने को मिला। महिलाओं में बीमारी की दर 14.4 प्रतिशत थी, जबकि पुरुषों में यह 11.8 प्रतिशत थी। 3891 हो गए दिल संबंधी मामले प्रति एक लाख आबादी पर कुल बीमारियों में हृदय की बीमारी का हिस्सा 25.6 फीसदी

बच्चों में संक्रमण व सांस संबंधी बीमारी अधिक:रिपोर्ट के अनुसार, 0-14 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में बीमारियों का सबसे बड़ा हिस्सा संक्रमण और सांस संबंधी समस्याओं का है। इनमें बुखार, खांसी और गले के संक्रमण प्रमुख हैं। 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं में भी संक्रमण ही प्रमुख बना हुआ है। हालांकि इस आयु वर्ग में मानसिक और पेट संबंधी समस्याओं का हिस्सा काफी बढ़ा है। इस आयु वर्ग के लोगों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां भी सामने आई हैं। बुजुर्ग ज्यादा बीमार उम्र के हिसाब से, 60 साल और उससे अधिक उम्र के लोग ज्यादा बीमार पड़े। इस उम्र के समूह में करीब 42 से 45 प्रतिशत लोगों ने खुद के बीमार होने की जानकारी दी। इसके बाद 45 से 59 साल के उम्र वालों में करीब 20 से 25 प्रतिशत लोग बीमार पाए गए। वहीं, 15 से 29 साल के उम्र के युवा सबसे कम बीमार हुए। इनका आंकड़ा 4 से 5 प्रतिशत ही है। वहीं 0 से 4 साल के छोटे बच्चों में यह आंकड़ा लगभग 9 से 10 प्रतिशत रहा। बीमारियों में बड़ा हिस्सा दिल संबंधी रोगों का: रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात वर्षों में दिल की बीमारियों के मामले करीब तीन गुना बढ़कर प्रति एक लाख आबादी पर 3,891 तक पहुंच गए हैं, जबकि वर्ष 2017-18 में यह संख्या 1,333 थी। कुल बीमारियों में इसकी हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत है, जो सभी श्रेणियों में सबसे अधिक है। वहीं संक्रमण से जुड़ी बीमारियों में कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2017-18 में प्रति एक लाख आबादी पर संक्रमण संबंधी बीमारियों के 2,547 मामले थे, जो 2025 में घटकर 2,302 रह गए।

दाभोलकर हत्याकांड में बड़ा मोड़, बॉम्बे हाई कोर्ट ने दोषी शरद कलास्कर को दी जमानत

मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने बुधवार को अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ता नरेंद्र दाभोलकर की 2013 की हत्या के मामले में दोषी शरद कलास्कर को जमानत दे दी और उसकी आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया। कोर्ट ने कथित हमलावर के तौर पर उसकी पहचान पर संदेह जताया और दो प्रत्यक्षदर्शियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। जस्टिस अजेय गडकरी और जस्टिस रणजीतसिंह भोंसले की बेंच ने कलास्कर को 50,000 रुपये का निजी मुचलका जमा करने और पुणे के डेक्कन पुलिस स्टेशन में, जहां हत्या का मामला दर्ज किया गया था, हर महीने एक बार पेश होने का निर्देश दिया। उन्होंने 2024 में एक विशेष अदालत द्वारा अपनी दोषसिद्धि को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, और अपील पर अंतिम सुनवाई और फैसला होने तक जमानत की मांग की थी। कलास्कर पर कम्युनिस्ट नेता गोविंद पानसरे की हत्या का भी मुकदमा चल रहा है। पिछले साल अक्टूबर में हाई कोर्ट ने उसे इस मामले में जमानत दे दी थी। दाभोलकर मामले में जमानत मिलने के बाद कलास्कर जेल से बाहर आ सकता है। अंधविश्वास विरोधी संगठन 'महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' के संस्थापक दाभोलकर की 20 अगस्त 2013 को पुणे में सुबह की सैर के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

बदमाशों ने किया महिला पर हमला, हालत गंभीर

जीवनतला, एजेंसी। दक्षिण 24 परगना जिलांतर्गत जीवनतला इलाके में बुधवार देर रात एक विवाहिता पर हमले की घटना से सनसनी फैल गई है। घायल गृहवधू का नाम रोज़िना मोल्ला है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, घटना के समय रोज़िना घर पर अकेली थी। आरोप है कि देर रात बदमाश मौके का फायदा उठाकर घर में घुस आए। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाती, उन्होंने रोज़िना पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावर उसके सिर समेत शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर कई बार वार कर मौके से फरार हो गए। उसकी चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उसे पहले कैनिंग सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। रोज़िना की हालत बिगड़ती गई। सूत्रों के अनुसार, सिर में गंभीर चोट लगने और बहुत ज़्यादा रक्तपात की वजह से डॉक्टरों ने उसे कोलकाता के चित्तरंजन अस्पताल में रेफर कर दिया। वहीं इलाज चल रहा है। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, उसकी हालत अभी भी गंभीर है। डॉक्टर उसे कड़ी निगरानी में रख रहे हैं।

डीडीयू को मिले पांच नए शिक्षक, कार्य परिषद में खुला लिफाफा

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक आयोजित हुई। इसमें विभिन्न विभागों में नए शिक्षकों की नियुक्तियों का लिफाफा खुला। इसके साथ ही राजभवन की ओर से गठित की जाने वाली सर्च कमेटी के एक सदस्य के रूप में प्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी प्रो. जीडी शर्मा के नाम को मंजूरी दी गई। कार्य परिषद ने अंग्रेजी विभाग में आचार्य पद पर अजय चौबे, बायोटेक्नोलॉजी विभाग में सहयुक्त आचार्य पद पर डॉ. निर्मल प्रभाकर, वनस्पति विज्ञान विभाग में सहयुक्त आचार्य पद पर डॉ. शंभू कुमार और सहायक आचार्य पद पर आनंद कुमार के चयन को मंजूरी दी। साथ ही होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी में आशीष रंजन को सहायक आचार्य (काट्रैक्चुअल) के रूप में नियुक्ति को स्वीकृति दी। इसके अलावा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. रामवंत गुप्ता और अंग्रेजी विभाग के डॉ. आमोद रॉय को सहयुक्त आचार्य से आचार्य पद पर प्रोन्नति दिए जाने को स्वीकृति प्रदान की गई। कार्य परिषद ने कुलपति चयन के लिए राजभवन की ओर से गठित की जाने वाली सर्च कमेटी के एक सदस्य के रूप में प्रसिद्ध वनस्पति विज्ञानी एवं एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जीडी शर्मा के नाम को भी अनुमोदन प्रदान किया। प्रो. जीडी शर्मा देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं अनुभवी अकादमिक प्रशासक हैं। लगभग 45 वर्षों के अपने शैक्षणिक करियर में उन्होंने असम विश्वविद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय और बिलासपुर विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में कुलपति, प्रति-कुलपति, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वर्तमान में वे यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय के कुलपति के रूप में कार्यरत हैं। प्रो. शर्मा को बोटैनिकल सोसायटी का बिरबल साहनी पुरस्कार और यूनेस्को से संबद्ध संस्थाओं द्वारा सम्मान सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

दुल्हन का हो रहा था स्वागत, चचिया ससुर ने पिस्टल से की अंधाधुंध हर्ष फायरिंग, राजमिस्त्री की मौत

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के खड़ौली गांव में शादी समारोह के दौरान की गई हर्ष फायरिंग एक परिवार के लिए मातम बन गई। दुल्हन के स्वागत के समय हुई अंधाधुंध फायरिंग में 45 वर्षीय राजमिस्त्री सुभाष को गोली लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

दुल्हन के स्वागत के दौरान चली गोलियां : बताया गया कि खड़ौली गांव निवासी आदेश की बुधवार रात मोदीपुरम से बारात गई थी। गुरुवार सुबह जब आदेश अपनी दुल्हन को लेकर घर पहुंचा तो स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान आतिशबाजी के बीच दूल्हे के चाचा विक्की ने पिस्टल से अंधाधुंध हवाई फायरिंग कर दी।

पड़ोसी को लगी गोली, मौके पर मौत : आरोप है कि फायरिंग के दौरान एक गोली पास ही खड़े 45 वर्षीय सुभाष के जबड़े में जा लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर घर के फर्श पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उस समय सुभाष अपनी पत्नी पुष्पा के साथ खड़े होकर नवविवाहित जोड़े को देख रहा था।

परिवार में मचा कोहराम, पुलिस कर रही दबिश : मृतक की पत्नी पुष्पा ने बताया कि वह पिछले करीब 10 वर्षों से खड़ौली गांव में किराए के मकान में रह रहे थे। परिवार में तीन बेटियां हैं, जिनमें दो की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी ज्योति दो महीने से अपनी बड़ी बहन के घर हरियाणा गई हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एमपी के आर्काइव में मिला तात्या टोपे का 1857 का पत्र, विद्रोह से जुड़े अनसुलझे रहस्यों से उठा पर्दा

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के भोपाल में आर्काइव के ढेर से 169 साल पुराना तात्या टोपे के दस्तखत किए हुए पत्र मिले है। इस कागज की शीट भले ही पुरानी और नाजुक हालत में मिली है, लेकिन इस पर आजादी के सिपाही तात्या टोपे के दस्तखत साफ-साफ पहचाने जा सकते हैं। इसके साथ ही, इसमें उस विद्रोह की झलक भी देखने को मिलती है। जो बाद में आगे चलकर एक जोरदार आवाज का रूप ले लिया। केंद्र सरकार के 'ज्ञान भारत मिशन' के तहत विरासत से जुड़े रिकॉर्ड को डिजिटाइज करने के दौरान यह पत्र मिला है। यह हाल ही में मिला पत्र 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से पहले के उन तनाव भरे और गुपचुप महीनों की एक दुर्लभ झलक दिखाता है। इस पत्र पर 'चैत्र बदी 7, संवत 1914' (1857 ई.) की तारीख लिखी

है। यह पत्र अलग-अलग रियासतों के सूबेदारों, सरदारों, सिपाहियों और हवलदारों को संबोधित है। इसकी व्यापकता से पता चलता है कि, उस समय तक एक नेटवर्क पहले ही सक्रिय हो चुका था, और इसका लहजा भी किसी अचानक हुई घटना के बजाय एक सोची-समझी रणनीति की ओर इशारा करता है। मध्य प्रदेश के पुरातत्व निदेशालय के कमिश्नर मदन कुमार नागर ने कहा, 'यह सिर्फ एक पत्र नहीं है, बल्कि इतिहास की एक बहुत ही अहम कड़ी है।' आर्काइव के रिकॉर्ड से तात्या टोपे के लोगों को एकजुट करने, मनाने और तैयारी करने के सफर का पता चलता है। इसके साथ ही तात्या टोपे के दस्तखत इस बात की पुष्टि करते हैं कि, यह पत्र बेहद दुर्लभ और की है। यह विद्रोह शुरू होने से पहले की गई बारीक योजना और आपसी सलाह-मशविरे को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक खोज से हमें अपने इतिहास को और भी बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

पत्र से उनके आंदोलन की मिलती है जानकारी : इस पत्र का सफर भी इसके संदेश की ही तरह है। आर्काइव के रिकॉर्ड से तात्या टोपे के मध्य भारत में हुए सफर का पता चलता है। वे बैतूल, गढ़ाकोटा, ग्वालियर, झांसी और शिवपुरी जैसे इलाकों में घूमे थे। इन रिकॉर्ड से उनके लोगों को एकजुट करने, उन्हें विद्रोह के लिए मनाने और युद्ध की तैयारी करने के उस लगातार जारी सफर की पूरी रूपरेखा सामने आती है। जानकारी के अनुसार, निदेशालय ने मराठ-मोली लिपि में लिखी बुंदेली और हिंदी पाठ को समझने के लिए भाषा विशेषज्ञों सैयद नईमुद्दीन और अमोल ज्ञानेश्वर महाले की मदद ली।

तीसरी बार गर्भधारण पर भी मिले मातृत्व अवकाश मद्रास हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार को मातृत्व लाभ, विशेष रूप से तीसरी गर्भावस्था के लिए कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश की स्वीकृति में कोई भेदभाव नहीं दिखाना चाहिए। पीठ ने कहा कि 12 सप्ताह के अवकाश की अवधि को सरकार की ओर से सीमित करने में कुछ उचित नहीं है। पहली, दूसरी हो या तीसरी गर्भावस्था हो उसमें पीड़ा समान होगी और महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात देखभाल की आवश्यकता होती है। यह सभी गर्भावस्थाओं के लिए समान है। इसलिए, सरकार को मातृत्व लाभ, विशेष रूप से तीसरी गर्भावस्था के लिए मातृत्व अवकाश की स्वीकृति में कोई भेदभाव नहीं दिखाना चाहिए। जस्टिस आर. सुरेश कुमार और एन.सेंथिल कुमार की एक पीठ ने 28 अप्रैल को शायी निशा की याचिका को स्वीकार करते हुए यह निर्णय दिया। पीठ ने 27 मार्च 2026 को विलुपुरम के प्रधान जिला न्यायाधीश के आदेशों को रद कर दिया, जिसने याचिकाकर्ता द्वारा 2 फरवरी, 2026 से एक फरवरी, 2027 तक मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया था। पीठ ने जिला न्यायाधीश को निर्देश दिया कि निशा द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर विचार करें और मातृत्व अवकाश को पहले और दूसरे गर्भावस्था वाली महिलाओं के समान स्वीकृत करें, आदेश (जीओ) की परवाह किए।

उत्तराखंड में मौसम हुआ सुहावना, तापमान गिरने से राहत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून सहित प्रदेश में मौसम ने करवट लेते हुए लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है। बीते दिनों की तुलना में आज का तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे वातावरण में ठंडक महसूस हो रही है और लोगों को तेज गर्मी से अस्थायी राहत मिली है।

देहरादून सहित अन्य इलाकों में गुरुवार सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे। सुबह के समय बादलों की ओट से धूप निकलती रही, जिससे धूप और छांव का क्रम बना रहा और मौसम सुहावना महसूस हुआ।हल्की ठंडी हवाओं और बादलों की मौजूदगी के चलते तापमान में गिरावट बनी हुई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम में आए बदलाव के चलते शहर में सुबह और शाम के समय हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, जबकि दिन में भी तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश की संभावना के कारण तापमान में यह गिरावट देखने को मिली है। अगले कुछ दिनों तक इसी तरह का सुहावना मौसम बना रह सकता है, हालांकि धीरे-धीरे तापमान में फिर बढ़ोतरी के संकेत भी हैं। फिलहाल मौसम की इस नरमी ने आमजन को गर्मी के असर से काफी हद तक राहत पहुंचाई है। विभाग के अनुसार राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का असर देखने को मिलेगा, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की भी संभावना जताई गई है। पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में गुरुवार को मौसम का व्यापक असर रह सकता है। 3800 से 4000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। वहीं, देहरादून, टिहरी और अल्मोड़ा सहित कई जिलों में 2 मई को हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों से दूर रहने, बिजली गिरने के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने और तेज हवाओं के मद्देनजर कच्चे मकानों व ढीली संरचनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी है।

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी परियोजना को मिली बड़ी राहत, छह साल का जीरो पीरियड घोषित

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-150 स्थित स्पोर्ट्स सिटी परियोजना को लेकर नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया गया है। बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में परियोजना को राहत देते हुए एक मार्च 2020 से छह अप्रैल 2026 तक की अवधि को जीरो पीरियड घोषित किया है। यह जीरो पीरियड समय वृद्धि शुल्क पर दिया गया। साथ ही मानचित्र स्वीकृत से पहले कुल बकाया का 20 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। इसके अलावा खेल सुविधाएं विकसित करनी होंगी। बिल्डर को पहले तीन साल के भीतर स्पोर्ट्स एक्टिविटी और खेल सुविधाओं का निर्माण करना होगा। इसके बाद ही आवासीय और कामर्शियल निर्माण के मानचित्र स्वीकृत मंजूरी के लिए नोएडा प्राधिकरण में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक प्राधिकरण के फैसले के मुताबिक एक मार्च 2020 से छह अप्रैल 2026 तक की अवधि को देरी की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। यानी इस दौरान समय वृद्धि शुल्क, भूभाटक (लीज रेंट) और अन्य देयताओं में राहत मिलेगी। इससे बिल्डर और आवंटियों को करीब छह साल से ज्यादा का फायदा होगा। यह अवधि अगले पांच सालों की परियोजना समय सीमा में समायोजित की जाएगी, इससे निर्माण कार्य पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। वहीं जिन मामलों में पहले ही समय वृद्धि शुल्क, अद्यतन लीज रेंट या एकमुश्त लीज रेंट का भुगतान किया जा चुका है, उन्हें पैसा वापस नहीं किया जाएगा। इसके अलावा जिन आवंटियों ने पहले ही आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के लिए आवेदन कर दिया है या प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है, उन्हें भी जमा राशि का न तो रिफंड मिलेगा और न ही किसी दूसरी मद में समायोजन किया जाएगा।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच हिंद-प्रशांत में चीनी सैन्य ताकत से बढ़ी टेंशन, अमेरिकी सांसदों ने जाहिर की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी संसद के भीतर इन दिनों वैश्विक रणनीतिक संतुलन को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सांसदों ने चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। यह चर्चा उस समय हो रही है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर सैन्य और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता पर सवाल: अमेरिकी सांसदों ने पेंटागन बजट सुनवाई के दौरान कहा कि चीन अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, बल्कि वह तेजी से वैश्विक सैन्य ताकत के रूप में उभर रहा है। चीन लगातार अपने नौसैनिक बेड़े, मिसाइल तकनीक और अंतरिक्ष क्षमताओं में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे प्रशांत महासागर में शक्ति संतुलन बदल रहा है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर: सांसदों ने यह भी चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती बढ़ने से हिंद-प्रशांत में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता कमजोर हो सकती है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका का ध्यान इस क्षेत्र से हटता है, तो चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का और अवसर मिल सकता है। सुनवाई में समिति अध्यक्ष माइक डी. रोजर्स ने कहा कि अमेरिका इस समय अभूतपूर्व वैश्विक खतरे का सामना कर रहा है, जिसमें चीन सबसे बड़ा चुनौतीकर्ता है।

ट्रंप का डबल अटैक: ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी को बताया जीनियस, कहा- परमाणु हथियार छोड़े बिना नहीं होगी कोई डील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे जीनियस बताते हुए साफ कहा कि जब तक ईरान अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म नहीं करता, तब तक कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह पूरी तरह सफल और फुलप्रूफ रही है। उनके मुताबिक, इससे अमेरिकी नेवी की ताकत साफ नजर आती है और अब कोई भी देश अमेरिका के सामने चालबाजी नहीं कर पाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल से ही सेना को लगातार मजबूत किया गया है, जिससे आज अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत बन चुका है। आगे बोलते हुए ट्रंप ने वेनेजुएला और ईरान का जिक्र

किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की सेना कुछ ही समय में ढह गई थी और ईरान के मामले में भी अमेरिका ने सैन्य रूप से उसे पूरी तरह कमजोर कर दिया है। उनके अनुसार, ईरान की नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसकी वायुसेना भी अब प्रभावी भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है।

नो न्यूक्लियर, तभी डील-ट्रंप का स्पष्ट संदेश: ट्रंप ने दो टूक कहा कि कोई भी समझौता तभी संभव है जब ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा पूरी तरह छोड़ दे। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अब बातचीत पहले की तरह आमने-सामने नहीं बल्कि फोन के जरिए हो रही है। ट्रंप के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है और देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नाकेबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार पर भी असर पड़ा है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

डिप्लोमैटिक कोशिशों पर ट्रंप ने कहा कि बातचीत का सिलसिला जारी है, लेकिन अब तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि हर बार लंबी उड़ान भरकर आमने-सामने मिलने के बजाय अब अधिकतर बातचीत फोन के जरिए हो रही है, जिससे प्रक्रिया आसान और तेज हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि आमने-सामने बातचीत को वह अब भी ज्यादा प्रभावी मानते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने जानकारी दी कि अब तक 42 व्यापारिक जहाजों को वापस लौटाया जा चुका है, जो नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के समुद्री व्यापार पर बड़ा असर डाल रही है और अमेरिकी सेना लगातार निगरानी बनाए हुए है।

ईरान का प्रस्ताव और अमेरिका का रुख: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने शर्तों के साथ युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें नाकेबंदी हटाने की मांग शामिल है। हालांकि अमेरिका ने फिलहाल इस पर सख्त रुख अपनाया है और साफ कर दिया है कि परमाणु कार्यक्रम पर समझौता किए बिना कोई राहत नहीं दी जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य बना तनाव का केंद्र: स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस समय अमेरिका-ईरान तनाव का सबसे अहम केंद्र बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है।

लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला; पुलिस ने मानी आतंकी घटना, पीएम स्टार्मर ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर हुए एक हमले ने ब्रिटेन में सुरक्षा और बढ़ते एंटी-सेमिटिज्म को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दो यहूदी राहगीरों को घायल कर दिया। ब्रिटिश काउंटर-टेररिज्म पुलिस ने इस घटना को आतंकी हमला करार दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना पर गहरी चिंता जताई। घटना दिन में हुई, जब एक 45 वर्षीय हमलावर कथित तौर पर गोल्डर्स ग्रीन रोड पर चाकू लेकर दौड़ता हुआ यहूदी लोगों को निशाना बना रहा था। सामुदायिक निगरानी समूह शोमरिम ने सोशल मीडिया पर बताया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी नागरिकों को ढूंढकर हमला करने की कोशिश कर रहा

था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आरोपी का गंभीर हिंसा है पुराना रिकॉर्ड : सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टेजर का इस्तेमाल कर उसे काबू में लिया और गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमिश्नर मार्क रोवली के अनुसार आरोपी का गंभीर हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड रहा है। हमले में घायल दो लोगों की उम्र 76 और 34 वर्ष बताई गई है। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति स्थिर है।

मेयर ने क्या बताया: इस घटना के बाद आपातकालीन कोबरा बैठक भी बुलाई गई। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा कि राजधानी में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और समाज में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

गृह सचिव और किंग चार्ल्स तृतीय ने जताई चिंता: ब्रिटेन की गृह सचिव शबाना महमूद ने बताया कि प्रभावित इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, किंग चार्ल्स तृतीय, जो इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं, उन्हें भी इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है और उन्होंने इस पर गहरी चिंता जताई है।

हाल के महीनों में हुई ऐसी कई घटनाएं: यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे।

युवा संगम: रोजगार के साथ स्वरोजगार को बढ़ावा, 488 में से 201 युवाओं का चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय पी.जी. कॉलेज, रामपुर नैकिन में युवा संगम के तहत जॉब फेयर एवं करियर काउंसिलिंग योजना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में कुल 488 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया जिनमें से विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार के बाद 201 अभ्यर्थियों का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया। चयनित युवाओं को सांसद द्वारा ऑफर लेटर भी वितरित किए गए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में कौशल आधारित शिक्षा अत्यंत आवश्यक है जिससे युवा आत्मनिर्भर बन सकें और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाएं सांसद ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नौकरी देना नहीं बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है जो स्वयं भी रोजगार सृजित कर सकें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को अधिक से अधिक मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं जिससे जिले में बेरोजगारी कम हो सके इस मेले में देश-विदेश और स्थानीय स्तर की 18 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया जिनमें कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्वरोजगार योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत पुष्पराज पटेल को मोबाइल शॉप हेतु 8 लाख रुपए तथा सुनील गुप्ता को आटा चक्की के लिए 2.5 लाख रुपए दिए गए इसके अलावा स्व-सहायता समूहों, जनजातीय कार्य विभाग, उद्यानिकी विभाग और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत भी हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

प्रगतिशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड (रीवा), हाईटेक गियर लिमिटेड (हरियाणा), सीआईएमसीसी (इंदौर), ग्लोबल मेन पावर सर्विसेज (गुजरात), एसआईएस सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सिंगरौली), एमआरएफ (हैदराबाद), बजाज ऑटो प्राइवेट लिमिटेड (औरंगाबाद) सहित अन्य कंपनियां शामिल रहीं।

कलेक्टर ने किया गेहूं उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई, प्रभारी निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति जानने के लिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने चौफाल एवं माटा उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौफाल केंद्र में गंभीर अव्यवस्थाएं सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की गई वहीं माटा केंद्र की बेहतर व्यवस्था को सराहा गया। निरीक्षण के दौरान चौफाल उपार्जन केंद्र में उपार्जित गेहूं खुले में पड़ा मिला, जिससे बारिश और नमी के कारण बड़ी मात्रा में गेहूं भीग गया। इस लापरवाही से किसानों की उपज को नुकसान पहुंचा है। कलेक्टर ने पाया कि गेहूं के सुरक्षित भंडारण के लिए आवश्यक तिरपाल, शेड एवं अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं थीं जबकि पूर्व में स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से उपार्जन केंद्र प्रभारी शैलेन्द्र सिंह को निलंबित करने के निर्देश दिए साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि किसानों को हुए नुकसान की भरपाई संबंधित प्रभारी से वसूली की जाएगी निर्देशों की अवहेलना और लापरवाही को गंभीर मानते हुए प्रशासक बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति चौफाल द्वारा भी निलंबन आदेश जारी किया गया इसके विपरीत माटा उपार्जन केंद्र का निरीक्षण संतोषजनक पाया गया।

रीवा भाजपा में नियुक्तियों पर उठे सवाल संगठन और सत्ता के संतुलन पर नई बहस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर संगठन और सत्ता के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज हो गई है। रीवा भाजपा में हालिया नियुक्तियों ने न केवल राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं और विश्लेषकों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है महापौर चुनाव के बाद बनी परिस्थितियों ने इस बहस को और अधिक गहरा कर दिया है। भाजपा से निष्कासित महेश केवट को मछुआ कल्याण बोर्ड का चेयरमैन बनाए जाने के बाद अब एक और नियुक्ति चर्चा का केंद्र बन गई है महापौर चुनाव में कथित भीतरघात और पार्टी प्रत्याशी प्रबोध व्यास की हार से जुड़े आरोपों में घिरे पूर्व जिलाध्यक्ष अजय पटेल को विंध्य विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच इस बात को लेकर असंतोष देखा जा रहा है कि जिन नेताओं पर पार्टी लाइन से हटकर काम करने और अधिकृत प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे उन्हें ही अब महत्वपूर्ण पदों से नवाजा जा रहा है कार्यकर्ताओं का मानना है कि इससे जमीनी स्तर पर काम करने वालों का मनोबल प्रभावित हो सकता है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि आरोपों से घिरे नेताओं में से एक भाजपा कार्यालय में सक्रिय रूप से मौजूद रहकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं, जबकि दूसरे को सरकारी पद मिल चुका है यह स्थिति पार्टी की आंतरिक अनुशासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि गंभीर आरोपों के बावजूद नेताओं को जिम्मेदार पद दिए जाते हैं तो यह संगठन के लिए चुनौतीपूर्ण संकेत हो सकता है इससे पार्टी की कार्यप्रणाली और अनुशासन पर सवाल उठ सकते हैं जो भविष्य के चुनावों में असर डाल सकते हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह बदलती राजनीति का नया मानदंड बनता जा रहा है जहां आरोपों के बावजूद पद और प्रतिष्ठा मिलती है या फिर यह संगठन और सत्ता के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीतिक मजबूरी है। रीवा की राजनीति में उठे ये सवाल आने वाले समय में भाजपा की संगठनात्मक संरचना और चुनावी रणनीति को किस दिशा में ले जाएंगे इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

इंदिरा ज्योति अभियान के तहत रीवा जिला आयोजन समिति गठित, 2 मई को पहली बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्यक अभियान के तहत संचालित चार वर्षीय 'इंदिरा ज्योति अभियान' को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रीवा जिले में जिला आयोजन समिति का गठन किया गया है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश आयोजन समिति के सम्माननीय सदस्यों की सहमति से यह समिति गठित की गई है जिसमें डॉ. रामभिलाष दुबे को अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है समिति में जिले के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इनमें इंजी. राजेंद्र शर्मा (अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण), अशोक पटेल झब्बू (शहर अध्यक्ष), रीवा महापौर अजय मिश्रा बाबा, लखनलाल खंडेलवाल, गुरूमीत सिंह मंगू, धीरेन्द्र मिश्रा उर्फ राहुल, वंदना वास्तव, कविता पांडेय, देवती वर्मा, गिरिजेश पांडेय, रामदयाल चौरासिया, रोहिणी साकेत, बबिता साकेत, विष्णु कुशवाहा, रामगरीब कोल, रमेश पटेल, मानवती विश्वकर्मा, मनोज पटेल, शहीद मिस्त्री, प्रदीप अवस्थी, विनोद शर्मा, रमाशंकर पटेल और पं. अशोक मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल हैं।सम्यक अभियान समिति की पहली बैठक 2 मई 2026 को शाम 4 बजे उर्रहट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में अभियान की रणनीति, कार्यक्रमों की रूपरेखा और जिले में इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

जनगणना के लिए तैयार है सीधी,1 मई से शुरू होगा मकानों का सूचीकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आगामी जनगणना के प्रथम चरण के तहत 1 मई से 30 मई तक मकानों के सूचीकरण का कार्य किया जाएगा इस अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर विस्तृत जानकारी संकलित करेंगे जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले में कुल 2244 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इस कार्य के लिए 2006 प्रगणकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 207 प्रगणकों को रिजर्व में रखा गया है। इसके अतिरिक्त 334 सुपरवाइजर एवं 44 रिजर्व सुपरवाइजर भी तैनात किए गए हैं जो पूरे अभियान की निगरानी करेंगे प्रशासन द्वारा सभी स्तरों पर तैयारी पूर्ण कर ली गई है जनगणना कार्य से जुड़े सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण पहले ही पूर्ण कर लिया गया है। साथ ही जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि नागरिकों को जनगणना की प्रक्रिया और इसके महत्व की जानकारी मिल सके जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करें। जनगणना अभियान में स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राएं वालेंटियर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्काउट छात्रों से मुलाकात कर उन्हें इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने आश्रय स्थल और दीनदयाल रसोई का किया औचक निरीक्षण,गुणवत्ता सुधार के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर में संचालित जनकल्याणकारी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने गुरुवार को आश्रय स्थल एवं दीनदयाल रसोई का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने सबसे पहले आश्रय स्थल में रह रहे हितग्राहियों से सीधे संवाद स्थापित किया और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों से भोजन, साफ-सफाई, आवास और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त कर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया कलेक्टर ने कहा कि आश्रय स्थल में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए इसके बाद कलेक्टर ने दीनदयाल रसोई का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने भोजन की गुणवत्ता को परखने के लिए स्वयं भोजन ग्रहण किया उन्होंने रसोई में साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और भोजन बनाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि आश्रय स्थल और दीनदयाल रसोई जैसे जनसेवा केंद्रों में आने वाले प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को हिदायत दी कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हों और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि रसोई परिसर और आश्रय स्थल में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाए ताकि लाभार्थियों को बेहतर वातावरण मिल सके।

रीवा में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक संगठन विस्तार पर दिया गया जोर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी रीवा के अनुसूचित जाति मोर्चा को मजबूत करने के उद्देश्य से गुरुवार को अटल कुंज, ढेकहा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक अंबाह एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष व रीवा संभाग प्रभारी सत्यप्रकाश अल्प प्रवास पर रीवा पहुंचे और मोर्चा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक मजबूती और अनुसूचित जाति समाज के अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। सत्यप्रकाश ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा पार्टी का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसे जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और बस्ती-बस्ती जाकर समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ें और उन्हें संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की भागीदारी बढ़ाए बिना संगठन की मजबूती संभव नहीं है इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य करना चाहिए उन्होंने कार्यकर्ताओं को यह भी निर्देश दिए कि वे समाज के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी तरीके से पहुंचाएं। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता भी बैठक में उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी मोर्चों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है और अनुसूचित जाति मोर्चा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखते हुए टीम भावना के साथ काम करने का आग्रह किया। बैठक में अजा मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीताराम साकेत, जिलाध्यक्ष रामजी प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष सियाशरण साकेत सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे इसके अलावा शिवकली नट, नंदलाल कोरी, डॉ. महेश साकेत, रामबाई साकेत, बाबूलाल कोरी, उमेश भारती, सुरेश साकेत, सुशील चौधरी, राजेश साकेत, अरविंद कुमार झंझोट और संगीत करोसिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी बैठक में भाग लिया।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, समाज के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यकर्ताओं ने भी अपने-अपने सुझाव रखते हुए संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही। इस अवसर पर यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा आगामी समय में संगठन विस्तार और जनसंपर्क को प्राथमिकता देते हुए सक्रिय भूमिका निभाएगा।

दिशा बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा,सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी) समिति की बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की बैठक में परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता, समय-सीमा और जमीनी प्रभाव पर गहन चर्चा की गई। सांसद डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं और उसी अनुरूप सीधी जिले में भी कार्यों की गति बनाए रखना आवश्यक है उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई या बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले को प्रदेश में अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखना होगा। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा नियमित निरीक्षण कर तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। सांसद ने यह भी कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से पहुंचे यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है विशेष रूप से गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया गया। सामाजिक न्याय विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों को सहायक उपकरणों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सांसद ने पेयजल, विद्युत व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को सतत एवं प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति न बने और इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। सांसद ने सीधी तक रेलवे परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए 30 जून तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने भू-अर्जन, मुआवजा और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में किसान कल्याण वर्ष के तहत कृषि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और उत्पादन क्षमता सुधारने पर बल दिया गया राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की समीक्षा करते हुए सांसद ने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने और बेहतर मार्केट लिंकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आदिवासी विकास से जुड़े मुद्दे उठाए और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की। जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन का आश्वासन दिया उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर निगरानी बढ़ाई जाएगी और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वितीय परीक्षा के प्रश्न पत्र 5 मई को होंगे वितरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की द्वितीय परीक्षा 2026 के अंतर्गत हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं के लिए गोपनीय प्रश्न पत्रों का वितरण 5 मई को किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वितरण मंडल भोपाल के निर्देशानुसार समन्वयक संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, सीधी से संपन्न होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रश्न पत्रों का वितरण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया जाएगा ताकि परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे जिले के सात परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्र वितरित किए जाएंगे जिनमें शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी, शासकीय सांदीपनि कन्या विद्यालय सीधी, शासकीय माध्यमिक विद्यालय कन्या चुरहट, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावल, शासकीय बहु कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपुर नैकिन, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमी तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझौली शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी संबंधित परीक्षा केंद्रों के प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि वे 5 मई को प्रातः 10:30 बजे निर्धारित वितरण स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी प्राचार्य मजबूत पेटी दो ताले एवं एक भृत्य के साथ उपस्थित होकर प्रश्न पत्रों का सुरक्षित रूप से प्राप्ति सुनिश्चित करें।

राहतकारी हो आईसीयू : गहन चिकित्सा देखभाल के संवेदनशील दिशानिर्देश

संपादकीय

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी।

ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य मीडिया में सकारात्मकता परोसना !

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

आबू में राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार मूल्य एवं आध्यात्मिकता आधारित पत्रकारिता को बढ़ावा देकर मीडिया सुधार में सक्रिय भूमिका निभा रही ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य मीडिया में सकारात्मकता परोसना है।जिसके लिए नैतिकतायुक्त रिपोर्टिंग और आध्यात्मिक ज्ञान का समावेश पत्रकारों को कराना ही इस संस्था का लक्ष्य है, ताकि हिंसा या नकारात्मकता के बजाय शांति, एकता और चारित्रिक विकास को बल मिल सके।इसीलिए पत्रकारों और मीडियाकर्मियों के लिए मीडिया और ध्यान जैसे आध्यात्मिक सेमिनार, कार्यशाला और सम्मेलन ब्रह्माकुमारीज द्वारा समय समय पर आयोजित किए जाते हैं, जो पत्रकारिता में तनावमुक्त कार्य वातावरण और सत्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं।यह संस्था प्रिंट, टीवी, रेडियो और डिजिटल मीडिया को जिम्मेदार और सकारात्मक सामग्री प्रसारित करने के लिए न सिर्फ प्रेरित करती है,बल्कि पत्रकारों का मार्गदर्शन भी करती है। ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य समाधान-आधारित मीडिया को बढ़ावा देना है, जो समस्याओं को उजागर करने के साथ-साथ उनके आध्यात्मिक समाधान भी प्रस्तुत करता है।मीडिया के माध्यम से आध्यात्मिक जागरण के जरिए पत्रकारों के आंतरिक सशक्तिकरण पर जोर दिया जाता है, जिससे उनके कार्य में ईमानदारी और निष्पक्षता आए।ब्रह्माकुमारीज का मीडिया विंग प्रभाग, मीडिया को केवल सूचना का साधन नहीं मानता, बल्कि समाज के नैतिक उत्थान का माध्यम भी मीडिया बने इसके लिए वह काम कर रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ और पत्रकारों के कार्यों से जो शांति,एकता व विश्वास का प्रकाश इन मीडिया सेमिनारों के माध्यम से निकलता है, वही देश और समाज को मजबूत करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।ब्रह्माकुमारीज की सोच है कि आज दुनिया के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान निकालने के लिए पत्रकारों को आगे आना चाहिए। मीडिया के माध्यम में जो आप परोसते हैं, लोग उसे ही सच मानते हैं।इस सच की विश्वसनीयता बनी रहे, इसके लिए प्रिंट मीडिया से लेकर, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व डिजिटल मीडिया पर आमजन की आशा जमी है। पत्रकार भी आबू आकर मानते है कि ब्रह्माकुमारीज़ अच्छे सामाजिक कार्य कर रही है। जिसका साधारण व्यक्ति में बदलाव लाने का यह एक बड़ा योगदान है। ब्रह्माकुमारीज की इन मीडिया सेमिनारों में पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर भी विचार मंथन होता है,ब्रह्माकुमारीज का मानना है कि यदि मीडिया में विश्वसनीयता नहीं रहेगी तो लोग मीडिया पर विश्वास भी नहीं करेंगे। इन प्रतिकूल हालात के पीछे अखबारों में पेड न्यूज़ का छपना ,अखबारों में गेट कीपिंग का चलन आदि शामिल है। लेकिन सोशल मीडिया में गलत खबर चेक करने का साधन नहीं होने के कारण आज सोशल मीडिया बेलगाम है। इसके लिए आत्म नियंत्रण की जरूरत पर ब्रह्माकुमारीज बल देती रही है।

तभी तो आज से देशभर के चुनिंदा पत्रकारो,मीडिया प्राध्यापको व संस्थान प्रमुखों के माध्यम से मीडिया की वर्तमान दशा व दिशा पर चिंतन के लिए

माउंट आबू का ब्रह्माकुमारीज ज्ञान सरोवर राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार रूपी यज्ञ रच रहा है। जिसमे पत्रकारों को आध्यात्मिकता से जोड़कर उनके चारित्रिक उत्थान के लिए व स्वस्थ व सुखी समाज की पुनः स्थापना के लिए सार्थक पहल की गई है।ब्रह्माकुमारीज में मीडियाविंग के चेयरपर्सन बीके करुणा भाई की इस मीडिया सेमिनार रूपी यज्ञ के आयोजन में नेतृत्व भूमिका है।वे मानते है कि मीडिया अपनी सार्थक जिम्मेदारी निभा रहा है और मीडिया का राष्ट्रीय व सामाजिक सरोकारों को आमजन के सामने लाने में अहम योगदान है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले 27 वर्षों से पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़कर देश विदेश के पत्रकारों को मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रशिक्षित करता रहा है। स्वस्थ और सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण :मीडिया की भूमिकाविषय पर ब्रह्माकुमारीज संस्था का यह राष्ट्रीय सेमिनार आयोजन 30 अप्रैल से 4 मई तक माउंट आबू के आनंद सरोवर में चल रहा है। जिसमे बड़ी संख्या में मीडिया से जुड़े भाई बहन भाग ले रहे है । (लेखक विक्रमशीला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ पत्रकार है) (यह लेखक के व्यक्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फ़िल्म में सही चीज को ग्रहण करें

संजय गोस्वामी

हमने शतक फ़िल्म देखा जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बना है देखिए फ़िल्म में क़ोई कुछ क़ोई कुछ दिखाता है एक मनोरंजन है इसमें जो आपको शिक्षा दे उस पर ध्यान दीजिये ऐसे भी 3 घंटे की फ़िल्म से ना तो आपका स्वाभाव बिल्कुल बदल जाता अगर ऐसा होता तो दंगा फसाद हो जाता इसलिए फ़िल्म से अचानक आपका विचार बदल जाएगा बिल्कुल नहीं है हाँ कुछ समय के लिए आप के विचार में परिवर्तन आता है लेकिन यदि पुनः आप जिस संगत में बैठेंगे वैसा ही आप सोचने लगते है हालांकि इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 1925 से अब तक के 100 वर्षों के इतिहास और संघर्ष को दर्शाने वाली एक ऐतिहासिक हिंदी फिल्म है, जो 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फिल्म संघ की स्थापना, बलिदान और सामाजिक योगदान को रेखांकित करती है।

शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और भारतीय संकल्प को समर्पितः वंदन अभिनन्दन डॉ. तेज शतक फिल्म, राष्ट्रभक्ति और संकल्प को समर्पित है।शतकः राष्ट्र की अखंडता का महाघोष राष्ट्रवाद की तात्विक विवेचना एवं सर्व जन सुखाय. सर्व जन हिताय समीक्षाराष्ट्र की आत्मा तब जागृत होती है जब उसके नागरिक अपनी विरासत और भविष्य के प्रति सजग होते हैं। धार की पावन धरा मे मेरे दशको निवास उपरान्त माँ देवी अहिल्या की इंदौर की पवित्र धरा पर निवासरत हू . इस फिल्म को दिल की गहराइयों से अवलोकित करने की की मेरी यह यात्रा केवल एक फिल्म देखने की यात्रा नहीं , बल्कि एक बोध की प्राप्ति थी। आरएसएस का हृदय से आभार, जिन्होंने मुझे इंदौर के उस प्रथम प्रीमियम शो का हिस्सा बनाया, जहाँ शतक के रूप में राष्ट्रवाद का सूरज उगते देखा गया।एक पिता, एक शिक्षक और एक जागरूक नागरिक के रूप में, मैंने अनुभव किया कि इस फिल्म को केवल एक बार देखना पर्याप्त नहीं है। इसे सपरिवार, अपने पाँच वर्षीय अबोध बालक के साथ कम से कम दो बार देखना अनिवार्य है। क्यों? क्योंकि आज के पाँच वर्ष के बालक ही कल के भारत के नीति-निर्धारक होंगे। यदि हम उन्हें आज राष्ट्र की एकता, अखंडता और अकाट्यता का पाठ नहीं पढ़ाएंगे, तो भविष्य सुरक्षित नहीं होगा।शताब्दी का महाशंखनादः शतक - संघ के 100 गौरवशाली वर्षयह केवल एक चलचित्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की वह महागाथा है, जिसने एक पूरी शताब्दी को अपने निस्वार्थ सेवा-भाव से सींचा है। शतकः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष वह ऐतिहासिक फीचर फिल्म है, जो 19 फरवरी 2026 को संपूर्ण भारत के सिनेमाघरों में एक नए युग का सूत्रपात कर श्रद्ध चुकी है। 1925 के उस संकल्प से लेकर 2025 की सिद्धियों तक, यह फिल्म राष्ट्र-निर्माण के उस अदृश्य पथ को रूपहले पर्दे पर जीवंत करती है, जिसे संघ ने अपने पसीने और तपस्या से बनाया है।महागाथा का स्वरूपआशीष मॉल के कुशल निर्देशन और अनिल डी. अग्रवाल की ओजस्वी परिकल्पना से सजी यह फिल्म, अजय देवगन की उस गूँजती और गंभीर आवाज़ में पिरोई गई है, जो श्रोताओं के हृदय में राष्ट्रवाद का ज्वार उठा देती है। फिल्म की प्रत्येक कड़ी, संघ के वैचारिक अधिष्ठान, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अभ्युदय के उन अनछुए पहलुओं को उजागर करती है, जिन्होंने आधुनिक भारत की नियति को गढ़ा है।संगीत और स्वरजब सुखविंदर सिंह की बुलंद आवाज़ में फिल्म का मुख्य गान भगवा है अपनी पहचान गूँजता है, तो वह केवल एक गीत नहीं, बल्कि करोड़ों स्वयंसेवकों के संकल्प की हुंकार बन जाता है। यह संगीत उस अस्मिता का प्रतीक है, जो सदियों की सुप्त चेतना को जागृत करने का सामर्थ्य रखती है।ऐतिहासिक यात्राः संकल्प से सिद्धि तकवीर कपूर द्वारा निर्मित यह महाकाव्य, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में रोपे गए उस बीज की कहानी है, जो आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। फिल्म उन ऐतिहासिक झंझावातों को भी साहस के साथ दर्शाती है, जिनमें आपातकाल जैसे कठिन समय में संघ की अडिग भूमिका और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को परखा गया।डॉ. हेडगेवार के प्रथम चरण से लेकर आज के सेवा कार्यों और वैश्विक पहचान तक, शतक हमें उन गलियों और गाँवों में ले जाती है जहाँ स्वयंसेवकों ने बिना किसी प्रचार के राष्ट्र की सेवा को ही अपना परम धर्म माना। यह फिल्म उन लाखों गुमनाम नायकों को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपना जीवन भारत माता के चरणों में समर्पित कर दिया।शतक फिल्म की देखने के उपरांत में 11 मर्मभेदी एवं ओजस्वी संवाद मेरे मन की भावना के अनुरूप अभिवाक अभिव्यक्त हैं वैदिकफिल्म केवल दृश्यों का समूह नहीं, बल्कि वैदिक मंत्रों का उच्चारण है। मेरी अभिव्यक्ति जो रोंगटे खड़े कर देने वाली है , बच्चों तक को बच्चों तक को फिल्म को दिखाने में मदद मिलेगी :शतक केवल संख्या नहीं, यह सौ वर्षों के आरएसएस का संघर्ष, बलिदानों और संकल्पों की वह शक्ति है जो भारत को पुनः विश्वगुरु बनाएगी।जब तक घर का हर बच्चा अपनी मिट्टी को तिलक नहीं लगाता, तब तक सरहद पर खड़ा सैनिक सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता।शत्रु की तलवार से अधिक घातक अपनों की उदासीनता होती है; जागो! इससे पहले कि इतिहास तुम्हें विस्मृत कर दे।अखंडता कोई समझौता नहीं है, यह हमारा अस्तित्व है। खंडित भारत एक शरीर है जिसकी आत्मा छटपटा रही है।मेरे रक्त की हर बूँद में शतक का संकल्प है–जब तक एक भी राष्ट्रविरोधी जीवित है, मेरा विश्राम हराम है।सत्ताएँ आती-जाती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र की संस्कृति सनातन है। इस संस्कृति की रक्षा ही हमारा परम धर्म है।इंदौर की गलियों से लेकर पूरे राष्ट्र एवं विश्व भर में सनातन धर्मावलम्बियो भारतीयो तक,गूँज एक ही होनी चाहिए–भारत माता की जय !इतिहास पन्नों में नहीं, पूर्वजों के बलिदानों में होता है। फिल्म शतक उन्हीं बलिदानों का डिजिटल अभिषेक है।कायर वह नहीं जो युद्ध हार जाए, कायर वह है जो युद्ध के मैदान में उतरने से पहले ही वैचारिक हार मान ले।अपनी संतानों को विरासत में संपत्ति दें या न दें, पर राष्ट्रभक्ति का ऐसा संस्कार अवश्य दें कि वे देश के लिए मर मिटना गौरव समझें।अकाट्यता हमारी पहचान है। हमें न कोई काट पाया है, न कोई बाँट पाएगा–शतक यही सत्य सिद्ध करती है।5 महान हिंदी कवि और उनकी अमर रचनाएँ, नई पीढ़ी को अवश्य याद करावेंसाहित्य समाज का दर्पण होता है और राष्ट्रवाद की मशाल। मात्र विचारों को पुष्ट करते हुए ये पाँच कविताएँ शतक के मूल संदेश को परिभाषित करती हैं:1. पं. माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषाचाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ... मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ पर देना तुम फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक।विवेचनाःशतक देखने का आग्रह इसी पुष्प की अभिलाषा का विस्तार है। जैसे पुष्प वैभव के बजाय बलिदान के मार्ग को चुनता है, वैसे ही यह फिल्म हमें व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठकर राष्ट्र-पथ पर चलने की प्रेरणा देती है।2. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथीक्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो।विवेचनाः शतक फिल्म में जो शक्ति और सामर्थ्य दिखाया गया है, वह दिनकर जी की इन पंक्तियों का साक्षात रूप है। शांति केवल सामर्थ्यवान को ही शोभा देती है। राष्ट्र को अखंड रखने के लिए शक्ति संचय अनिवार्य है।3. सुभद्रा कुमारी चौहान - झाँसी की रानीखूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।विवेचनाः यह कविता वीरता का पर्याय है। फिल्म शतक में स्त्री शक्ति और मातृशक्ति का जो स्वरूप चित्रित है, वह झाँसी की रानी के उसी अदम्य साहस की याद दिलाता है। बच्चों को यह फिल्म दिखाना, उन्हें इसी साहस से परिचित कराना है।4. जयशंकर प्रसाद - हिमाद्रि तुंग श्रृंग सेप्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयं प्रभा समुज्ज्वला! स्वतंत्रता पुकारती !विवेचनाः यह एक प्रयाण गीत है। शतक फिल्म को देखने का अनुभव भी एक आध्यात्मिक और राष्ट्रीय प्रयाण जैसा है, जहाँ दर्शक स्वयं को स्वतंत्र और प्रबुद्ध भारत का रक्षक अनुभव करता है।5. सोहनलाल द्विवेदी - कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती(या उठे धरा के अमर सपूतों)नया प्रात है, नई बात है, नई किरण है, ज्योति नई...विवेचनाः शतक एक नए भारत के उदय की फिल्म है। यह टूटे हुए मनोबल को जोड़कर पुनरुत्थान की बात करती है, जैसा द्विवेदी जी ने अपनी कविताओं में सदा आह्वान किया। 101 कारणः शतक को सिनेमाघर में बड़े पर्दे पर ही क्यों देखें?प्रमुख श्रेणियों में विभाजित अनिवार्य कारण दिए गए हैं:राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए (1-20)यह फिल्म भारत के भौगोलिक और सांस्कृतिक मानचित्र को हृदय में अंकित कर देती है।यह दिखाती है कि अखंड भारत केवल एक स्वप्न नहीं, बल्कि हमारा अधिकार है।सीमाओं पर होने वाले षड्यंत्रों को समझने की दृष्टि प्रदान करती है।एक देश, एक विधान, एक निशान के संकल्प को जीवंत करती है।यह अलगाववाद की जड़ों पर प्रहार करने वाली फिल्म है।राष्ट्र के प्रति स्व के भाव को जागृत करती है।यह सिखाती है कि धर्म से बड़ा राष्ट्रधर्म होता है।

राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार : राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)व्यक्तित्व विकास से समाज परिवर्तन तक युवाओं की भूमिका

रवितमिश्रा

आज की तेजी से बदलती दुनिया में युवाओं के समग्र विकास और राष्ट्र निर्माण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे समय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एक प्रभावी और सशक्त मंच के रूप में सामने आई है, जो 'शिक्षा के साथ सेवा' के सिद्धांत पर कार्य करते हुए युवाओं को न केवल ज्ञान प्रदान करती है बल्कि उन्हें सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी से भी जोड़ती है एनएसएस का मूल उद्देश्य छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। इस योजना के माध्यम से स्वयंसेवकों में समय प्रबंधन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता तथा विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता विकसित होती है। साथ ही, यह योजना युवाओं में संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करती है। यही गुण उन्हें एक जागरूक नागरिक और भविष्य के जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करते हैं।

मध्यप्रदेश के रीवा जिले के युवाओं ने इस दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। शासकीय मॉडल साइंस कॉलेज रीवा की एनएसएस इकाइयों ने जमीनी स्तर पर अनेक सामाजिक पहलों के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि यदि युवाओं को सही दिशा और अवसर मिले, तो वे समाज में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। इन स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति (विशेष रूप से 'कोरेक्स मुक्त रीवा' अभियान), स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जन चौपाल, साइबर जागरूकता, रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर जैसे कार्यक्रमों का सफल संचालन किया है।

विशेष उल्लेखनीय यह है कि इन गतिविधियों को केवल पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि समकालीन सामाजिक मुद्दों को भी इसमें शामिल किया गया है। बाल अधिकार एवं संरक्षण, मासिक धर्म स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर चलाए गए जागरूकता अभियानों ने समाज के विभिन्न वर्गों–विशेषकर किशोरियों, बच्चों और युवाओं–में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। यह पहल न केवल सामाजिक जागरूकता को बढ़ाती है, बल्कि समाज में व्याप्त कई वर्जनाओं को भी चुनौती देती है एनएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह छात्रों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ती है। जब स्वयंसेवक समाज के बीच जाकर कार्य करते हैं, तो वे समस्याओं को करीब से समझते हैं और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इस प्रक्रिया में उनके भीतर नेतृत्व, सहानुभूति, निर्णय क्षमता और संगठन कौशल का विकास होता है, जो उनके व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।अपने लक्ष्य गीत की पंक्तियाँ 'ज्ञान को प्राचार दे-प्रसार दे,विज्ञान को प्राचार दे प्रसार दे, स्वयं सजे वसुंधरा संवार दे' को जीवन मे परिलक्षित करते हुए स्वयंसेवक समाज मे नव चेतना लाने का काम करते हैं।स्वयं से पहले समाज और राष्ट्र को रखते हुए यही युवा भारत को परम वैभव तक पहुंचाने का सतत प्रयास कर रहे आज भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि उसकी युवा शक्ति केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित न रहे, बल्कि राष्ट्र के समग्र विकास में भी अपनी भूमिका निभाए। एनएसएस इस दिशा में एक सशक्त माध्यम है, जो युवाओं को सेवा और समर्पण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ता है अंततः कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विचारधारा है–एक ऐसी सोच, जो युवाओं को समाज के प्रति जिम्मेदार बनाती है और उन्हें सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने के लिए प्रेरित करती है। आज आवश्यकता है कि अधिक से अधिक युवा भारत सरकार द्वारा सामाजिक उत्थान के लिए लाई जा रही योजनाओं से जुड़ें और सेवा को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए एक सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 के उस विराट लक्ष्य को सफल बनाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करें।

1800 करोड़ की ठगी के साये में बढ़ता साइबर खतरा और 100 करोड़ के प्लान से उम्मीद की नई शुरुआत

डिजिटल युग ने जहां आमजन के जीवन को आसान बनाया है वहीं इसके साथ एक गंभीर खतरा भी तेजी से बढ़ा है और वह है साइबर अपराध। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल ने लोगों को सुविधा तो दी है लेकिन साथ ही उन्हें ठगी और धोखाधड़ी के नए जाल में भी फंसा दिया है। राजस्थान सहित पूरे देश में साइबर अपराधों की रफ्तार जिस तेजी से बढ़ी है वह चिंताजनक है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को साफ तौर पर उजागर करते हैं।

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान में बीते पांच सालों में साइबर क्राइम के मामलों में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कुल 4 लाख 49 हजार 182 शिकायतें दर्ज हुईं। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं बल्कि उस सामाजिक और आर्थिक संकट का संकेत है जो धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। इन मामलों में करीब 1800 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई है जो आम लोगों की मेहनत की कमाई पर सीधा हमला है।

अगर शिकायतों के निपटान की स्थिति पर नजर डालें तो 2 लाख 25 हजार 387 शिकायतों का निपटान किया गया है जबकि 2 लाख 23 हजार 795 मामलों में कार्रवाई की गई है। इसके बावजूद 2 लाख 16 हजार 355 शिकायतें अभी भी प्रक्रिया में हैं और 4288 केस ऐसे हैं जो अब भी लंबित हैं। यह स्थिति बताती है कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए वर्तमान व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

साल दर साल बढ़ते मामलों की तस्वीर और भी स्पष्ट संकेत देती है। वर्ष 2021 और 2022 में जहां शिकायतों की संख्या अपेक्षाकृत कम थी वहीं 2023 में यह तेजी से बढ़कर 63 हजार 765 तक पहुंच गई। 2024 में यह संख्या 94 हजार 409 हो गई और 2025 में 1 लाख 15 हजार 2 शिकायतें दर्ज हुईं। यह लगातार बढ़ता ग्राफ बताता है कि साइबर अपराधियों के तरीके अधिक संगठित और खतरनाक होते जा रहे हैं।

सिर्फ शिकायतों की संख्या ही नहीं बल्कि ठगी की रकम भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2022 में 158.67 करोड़ रुपए की ठगी हुई जिसमें से केवल 11 करोड़ रुपए ही वापस हासिल किए जा सके। 2023 में ठगी की राशि बढ़कर 354.55 करोड़ हो गई और रिकवरी 39.33 करोड़ तक पहुंची। 2024 में यह आंकड़ा और भयावह हो गया जब 795.9 करोड़ रुपए की ठगी सामने आई और 104.5 करोड़ रुपए की ही रिकवरी हो पाई। इससे यह स्पष्ट होता है कि ठगी की रकम बढ़ने के मुकाबले रिकवरी की दर अभी भी बहुत कम है।

इन आंकड़ों के बीच राहत की एक उम्मीद भी दिखाई देती है जब 2025 में 76.87 करोड़ रुपए की राशि रिकवर की गई। हालांकि यह पूरी ठगी के मुकाबले कम है लेकिन यह संकेत देता है कि यदि प्रयासों को मजबूत किया जाए तो स्थिति में सुधार संभव है।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए राजस्थान पुलिस ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए 100 करोड़ रुपए का एक बड़ा प्लान तैयार किया है। यह योजना केवल कागजी नहीं बल्कि एक मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा खड़ा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसके तहत एक रीजनल साइबर क्राइम सेंटर स्थापित किया जाएगा जो आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ काम करेगा।

इस सेंटर के लिए 52 पद स्वीकृत किए गए हैं जिनमें पुलिस उपाधीक्षक से लेकर कांस्टेबल तक के पद शामिल हैं। इसके अलावा लेखाधिकारी और अन्य तकनीकी कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जाएगी। हालांकि प्रस्तावित पदों की संख्या 275 बताई गई है लेकिन वर्तमान में स्वीकृत संख्या काफी कम है जिससे यह साफ है कि आने वाले समय में स्टाफ की और जरूरत पड़ेगी।

इस योजना के तहत साइबर विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जाएंगी जिन पर लगभग 30 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इन विशेषज्ञों की भूमिका बेहद अहम होगी क्योंकि साइबर अपराध अब केवल तकनीकी नहीं बल्कि विश्लेषणात्मक चुनौती भी बन चुका है। डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रैकिंग जैसे आधुनिक टूल्स के जरिए अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश की जाएगी।

100 करोड़ रुपए के इस प्लान में से लगभग 50 करोड़ रुपए संसाधनों और स्टाफ पर खर्च किए जाएंगे जबकि करीब 60 करोड़ रुपए भवन निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास पर लगाए जाएंगे। यह निवेश इस बात का संकेत है कि सरकार अब साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगी है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि पारंपरिक पुलिसिंग के तरीके अब साइबर अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। डिजिटल अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है और अपराधी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि पुलिस भी तकनीकी रूप से सशक्त बने और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करे।

साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण लोगों में जागरूकता की कमी भी है। कई लोग फर्जी कॉल, मैसेज और लिंक के जरिए ठगी का शिकार हो जाते हैं। बैंकिंग फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, फेक कस्टमर केयर और सोशल मीडिया स्कैम जैसे मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यदि आमजन सतर्क रहें और बुनियादी साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करें तो इन अपराधों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

इसके साथ ही शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी सरल और तेज बनाने की जरूरत है। एनसीआरपी जैसे प्लेटफॉर्म पर शिकायतें दर्ज तो हो रही हैं लेकिन उनके निपटान में समय लग रहा है। यदि जांच प्रक्रिया को तेज किया जाए और तकनीकी सहायता बढ़ाई जाए तो पीड़ितों को जल्द राहत मिल सकती है।

यह भी जरूरी है कि साइबर अपराधों के मामलों में राज्यों के बीच समन्वय बढ़े क्योंकि कई मामलों में अपराधी एक राज्य में बैठकर दूसरे राज्य के लोगों को निशाना बनाते हैं। ऐसे में एक मजबूत नेटवर्क और सूचना साझा करने की व्यवस्था बेहद जरूरी हो जाती है।

राजस्थान में शुरू किया जा रहा यह 100 करोड़ का प्लान यदि सही तरीके से लागू होता है तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल बन सकता है। इससे साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और आमजन का डिजिटल सिस्टम पर भरोसा भी मजबूत होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि साइबर अपराध केवल कानून व्यवस्था की समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और तकनीकी चुनौती भी है। इससे निपटने के लिए सरकार, पुलिस और आम नागरिक तीनों को मिलकर काम करना होगा।

सही दवा शुद्ध आहार अभियान के तहत मनेंद्रगढ़ झगराखांड व खोंगापानी में खाद्य एवं औषधि विभाग की बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री और गुणवत्तापूर्ण औषधियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'सही दवा, शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार' अभियान के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मनेंद्रगढ़, झगराखांड और खोंगापानी क्षेत्रों में व्यापक निरीक्षण और सख्त कार्रवाई की। इस अभियान की शुरुआत कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में की गई थी।

खाद्य सुरक्षा टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया और खाद्य गुणवत्ता, स्वच्छता और लाइसेंस संबंधी मानकों की जांच की। मनेंद्रगढ़ स्थित मोहनलाल साहू जलजीरा दुकान पर निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी विनेगर सिरप पाया गया जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया और दुकानदार को भविष्य में एक्सपायरी खाद्य सामग्री विक्रय न करने की सख्त चेतावनी दी गई। इसके अलावा, प्रांशु गुप्ता चाट दुकान में खाद्य रंग का उपयोग पाए जाने पर लगभग 5 किलोग्राम चाट मौके पर नष्ट की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग ने गन्ना रस और आइसक्रीम विक्रेताओं पर विशेष निगरानी रखी। बैजनाथ, मोहम्मद सलमान, अरमान, प्रकाश सोनी और भोलेनाथ आइसक्रीम प्रतिष्ठान का निरीक्षण करते हुए बर्फ की सिल्ली और अस्वच्छ आइस बॉक्स हटाए गए। इन दुकानदारों को साफ-सफाई बनाए रखने, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और निर्धारित समयावधि में अनुज्ञप्ति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

मनेंद्रगढ़ स्थित जया डेयरी और सिंह डेयरी का भी निरीक्षण किया गया। जया डेयरी से पनीर और दही तथा सिंह डेयरी से गाय का दूध और दही के नमूने जांच हेतु संकलित किए गए। वहीं कृष्णा डेयरी द्वारा खाद्य पंजीयन प्रस्तुत न करने पर 3 दिन के भीतर अनुज्ञप्ति प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए। सभी डेयरी संचालकों को स्वच्छता, गुणवत्ता और मिलावटमुक्त उत्पाद सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

औषधि विभाग की टीम ने भी मनेंद्रगढ़, झगराखांड, अमखेरवा, मौहरपारा और मेन मार्केट क्षेत्रों में थोक और खुदरा दवा दुकानों का निरीक्षण किया। कुल 14 औषधि प्रतिष्ठानों की जांच के दौरान संदेह के आधार पर 2 औषधियों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए रायपुर स्थित प्रयोगशाला भेजे गए। 3 फर्मों में औषधि और प्रसाधन अधिनियम 1940 और नियमावली 1945 के अंतर्गत अनियमितताएं पाई गईं जिसके लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई। खाद्य और औषधि प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि यह 15 दिवसीय विशेष जांच अभियान जिलेभर में निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना है बल्कि आमजन में सुरक्षित भोजन, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण दवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे खाद्य पदार्थों और दवाओं की खरीदारी करते समय उनकी गुणवत्ता, वैधता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, ताकि उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित किया जा सके।

मनेंद्रगढ़ के दूरस्थ गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और सुलभ बनाने की दिशा में मनेंद्रगढ़ विकासखंड में एक सराहनीय पहल शुरू की गई है। अब ऐसे गांव जो अपने निकटतम उप स्वास्थ्य केंद्र से 5 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर स्थित हैं वहां प्रत्येक गुरुवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग की इस योजना का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके गांव में ही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यह पहल विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और जरूरतमंद ग्रामीणों के लिए राहत लेकर आई है जिन्हें स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इन शिविरों के माध्यम से उन्हें गांव में ही जांच, उपचार और दवाइयों की सुविधा मिल रही है। शिविरों में अनुभवी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा सामान्य एवं मौसमी बीमारियों की जांच प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य परामर्श और आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है इस योजना ने 'स्वास्थ्य सेवाएं गांव के द्वार' की सोच को धरातल पर उतार दिया है। ग्रामीणों को अब छोटी-छोटी बीमारियों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी जिससे उनके समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है। साथ ही समय पर उपचार मिलने से गंभीर बीमारियों के खतरे को भी कम किया जा सकेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के अनुसार, इन शिविरों का उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना भी है। शिविरों में स्वच्छता, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों की रोकथाम और मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी जा रही है।

कलेक्टर की अगुवाई में जिले के विकास का बना मजबूत ब्लूप्रिंट, हर क्षेत्र में दिखेगा व्यापक बदलाव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के समग्र विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की महत्वपूर्ण बैठक में आने वाले पांच वर्षों के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी विकास खाका तैयार किया गया कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। यह बैठक केवल योजनाओं की समीक्षा तक सीमित नहीं रही बल्कि जिले के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला विजन दस्तावेज बनकर सामने आई। प्रस्तुत पंचवर्षीय कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य खनिज प्रभावित क्षेत्रों का विकास, ग्रामीण-शहरी अंतर को कम करना, किसानों की आय बढ़ाना युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाना और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। बैठक में उद्यानिकी विभाग की योजनाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। समेकित उद्यानिकी योजना के तहत फेंसिंग, ड्रिप सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण, पावर वीडर, बैटरी स्प्रेयर, सब्जी मिनीकिट और नवीन फसल नवाचार जैसे प्रस्तावों को मंजूरी दी गई ये पहल किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी आय में वृद्धि करने में सहायक साबित होंगी पशु चिकित्सा विभाग द्वारा नए पशु औषधालयों के निर्माण और पुराने भवनों के उन्नयन की योजना प्रस्तुत की गई। सिरौली, नई लेदरी, देवाडांड, खोंगापानी, नागपुर और घुटरा क्षेत्रों में प्रस्तावित विकास कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे और पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। जिला कौशल विकास प्राधिकरण ने युवाओं के लिए आधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव रखा, जिसमें सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, ड्रोन फिल्म मेकिंग, सीसीटीवी इंस्टॉलेशन, ईवी असेंबली और एसी तकनीशियन जैसे कोर्स शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस 2027 हेतु पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू गुमनाम नायकों को आगे लाने का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म पुरस्कारों (पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म) के लिए नामांकन प्रक्रिया को आधिकारिक पोर्टल पर शुरू कर दिया है। इस वर्ष पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 15 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है और इसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई 2027 निर्धारित की गई है। इच्छुक नागरिक, संस्थाएँ, और प्रशासनिक इकाइयाँ इस अवसर का लाभ उठा सकती हैं और अपने नामांकनों को भेज सकती हैं। भारत सरकार की इस पहल का उद्देश्य समाज सेवा, कला, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग और अन्य लोकहितकारी क्षेत्रों में निस्वार्थ योगदान देने वाले असली नायकों को पहचान देना है, जिन्होंने अपनी सेवाओं से समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से गुमनाम नायकों को इस पुरस्कार के माध्यम से राष्ट्रीय पहचान दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

गुमनाम नायकों को पहचान दिलाने की कोशिश: यह पहल उन व्यक्तियों के लिए है जिन्होंने सुदूर ग्रामीण और नगरीय इलाकों में काम करते हुए समाज के प्रति अपने योगदान को महत्वपूर्ण रूप से निभाया है लेकिन उनकी मेहनत को पहले कभी राष्ट्रीय मंच पर उचित सम्मान नहीं मिला। इन व्यक्तियों में समाजसेवी, शिक्षक, कलाकार, चिकित्सक, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और अन्य लोकहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोग शामिल हैं। सरकार की यह कोशिश है कि ऐसे वास्तविक और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सामने लाया जाए और उन्हें पद्म पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया जाए।

नामांकन प्रक्रिया और आवश्यकताएँ: पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकनों की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है और यह पोर्टल (http//awards.gov.in) पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र भेजते समय यह सुनिश्चित किया गया है कि व्यक्ति के कार्यों का विवरण (Citation) पूरी तरह से स्पष्ट, तथ्यात्मक, प्रभावशाली और प्रमाणिक हो, ताकि उनके योगदान का समुचित मूल्यांकन किया जा सके। संबंधित व्यक्ति के कार्यों का विवरण जितना प्रमाणिक और सही होगा उतनी ही अधिक संभावना है कि उन्हें पद्म पुरस्कारों के लिए चयनित किया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया में तकनीकी मदद: ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर कार्यालय और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा आवेदन प्रक्रिया के दौरान यदि किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का सामना करना पड़े तो आवेदक कार्यालय आयुक्त सरगुजा संभाग के दूरभाष क्रमांक 07774-241401 पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय मंच पर उभरते नायक: भारत सरकार ने यह अभियान विशेष रूप से उन व्यक्तियों को पहचान दिलाने का माध्यम बनाया है जो वर्षों से समाज के बीच रहकर असाधारण कार्य कर रहे हैं लेकिन अभी तक व्यापक पहचान से वंचित हैं। यह प्रक्रिया न केवल उत्कृष्ट प्रतिभाओं को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने में सहायक होगी बल्कि उन प्रेरक चेहरों को सामने लाने का भी अवसर प्रदान करेगी जिन्होंने समाज और राष्ट्र निर्माण में चुपचाप महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पहल के तहत प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में कार्यरत ऐसे व्यक्तित्वों को आगे लाएं जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

कांग्रेस नेता पुत्र लग्जरी गाड़ी से कर रहा था शराब

पुलिस ने 6 किमी पीछा कर पकड़ा महिला भी अरेस्ट नाबालिग कर रहा था शराब तस्करी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पथरौटा और डोलरिया पुलिस ने अवैध तरह से शराब परिवहन करते दो तस्करों को पकड़ा है। पथरौटा पुलिस ने इटारसी के पूर्व मंडी अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता रमेश बामने के पुत्र मनोज बामने एक महिला को रात 2 बजे पकड़ा। जिसकी लग्जरी गाड़ी क्रेटा से 38 पेटी अंग्रेजी ब्रांड की शराब जब्त की आरोपी मनोज ने पुलिस को गाड़ी भगा दी थी। जिसका पथरौटा थाना प्रभारी मोनिका गौर, एएसआई दुर्गेश मालवीय, प्रधान आरक्षक दिनेश उइके, दीपक, जय प्रकाश, हरीश, नितेश की टीम ने 6किमी पीछा किया और रात 2 बजे उसे पकड़ लिया आरोपी ने गाड़ी से उतरकर भागने की कोशिश की लेकिन मनोज बामने और उसके साथ बैठी महिला ममता उईके को अरेस्ट कर लिया। आरोपी बैतूल से शराब लेकर इटारसी में खपाने के लिए ला रहा था मुखबिर की सूचना पर महिला पुलिस अधिकारी मोनिका गौर टीम के साथ जंगल में स्थित 11 मुखी हनुमान मंदिर के पास रात 2 बजे पहुंच गई पुलिस को देखते ही आरोपी ने गाड़ी रिवर्स की और वापस बैतूल तरफ दौड़ा दी जिसका पुलिस टीम ने पीछा कर केसला के पहले पकड़ लिया। डोलरिया में भी एक दिन पहले नाबालिग को शराब तस्करी करते पकड़ा जो सिवनी मालवा की शराब दुकान से शराब लेकर नर्मदापुरम में बेचने के लिए ले जा रहा था। पुलिस ने नाबालिग के बैग से 16 हजार रुपए कीमत की 4 पेटी (200 क्वार्टर) देशी प्लेन मदिरा जब्त की है नाबालिग यह शराब सिवनी मालवा स्थित राहुल जायसवाल ग्रुप की 'बाबूजी लीकर्स' दुकान से खरीदकर नर्मदापुरम खपाने ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक बाइक से अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर डोलरिया पुलिस टीम ने इटारसी तिराहा बस स्टॉप पर चेकिंग की और बाइक लेकर खड़े संदिग्ध नाबालिग का बैग चेक किया बैग में देशी प्लेन मदिरा के 200 क्वार्टर रखे मिले जिनकी कुल कीमत 16 हजार रुपए है।

करैरा में ओबीसी महासभा का प्रदर्शन

पीएम के नाम ज्ञापन: यूजीसी नियमावली लागू करने और जातिगत जनगणना की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के करेरा में गुरुवार को ओबीसी महासभा ने एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर एडिशनल एसपी संजीव मुले को सौंपा ज्ञापन में ओबीसी महासभा के प्रदेश प्रभारी जितेंद्र लोधी ने बताया कि पिछड़ा वर्ग लंबे समय से अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष कर रहा है लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

महासभा की प्रमुख मांगों में प्रस्तावित यूजीसी नियमावली 2026 को तत्काल पूरे देश में लागू करना शामिल है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी छात्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना है। अन्य मांगों में आगामी जनगणना में ओबीसी वर्ग का अलग कॉलम जोड़कर जातिगत जनगणना कराना, मध्य प्रदेश में ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों को बहाल करना सभी सरकारी विभागों में रिक्त बैकलॉग पदों को भरना और निजी संस्थानों में जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण लागू करना शामिल है।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि इन मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ओबीसी महासभा बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। इसी कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक के नाम एक और ज्ञापन सौंपा गया। इसमें करेरा थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए ज्ञापन में चोरी दुष्कर्म और दुर्घटना जैसे मामलों में एफआईआर दर्ज न करने तथा ओबीसी व बहुजन समाज के लोगों को कथित तौर पर परेशान करने के आरोप लगाए गए हैं।

इस दूसरे ज्ञापन में भी संबंधित मामलों में शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई और चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेलाते 3 गिरफ्तार

अलग-अलग ठिकानों पर पुलिस ने दी दबिश, 3 मोबाइल समेत 51 हजार कैश जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के IPL में के दौरान ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ऑपरेशन अंकुश के तहत कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 3 मोबाइल और 51 हजार कैश जब्त किया है मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है जानकारी के अनुसार पहली कार्रवाई डभरा रोड पर की गई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डभरा रोड खरसिया में अजय उर्फ रिंकू अग्रवाल (46), निवासी वार्ड नंबर 15, मोबाइल के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी जहां आरोपी अपने मोबाइल से सट्टा खेलते हुए पकड़ा गया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 30 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं पूछताछ में आरोपी ने अपने दो अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

दूसरी कार्रवाई में पुलिस को सूचना मिली कि रानीसती छपरी गंज, खरसिया निवासी अंकित अग्रवाल (37) मोबाइल के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट मैचों में दांव लगाकर हार-जीत का खेल संचालित कर रहा है सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नवीन स्कूल के पास गली रोड, खरसिया में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया जांच के दौरान आरोपी के पास से एक मोबाइल बरामद हुआ, जिसमें ALLPANELEXCH U ALLPANELEXCH 9-CO नाम के व्हॉट्सऐप ग्रुप के जरिए सट्टा संचालन किया जा रहा था।

बिल्डर-कारोबारी के ठिकानों पर ED रेड

दुर्ग में चतुर्भुज राठी के घर-दफ्तर में छापेमारी

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम ने दुर्ग और बिलासपुर में रेड मारी है। दुर्ग में अमर इंफ्रा के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास व दफ्तर पर दबिश दी गई है जहां टीम उनके आधा दर्जन फर्मों के वित्तीय दस्तावेजों और निवेश के रिकॉर्ड खंगाल रही है भिलाई में गोविंद मंडल के घर फैक्ट्री में भी जांच जारी है।

दूसरी ओर बिलासपुर में बड़े सर्राफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और सदर बाजार स्थित राम ज्वेलर्स पर ED के 10 से ज्यादा अधिकारियों ने छापा मारा है। यह कार्रवाई शराब घोटाले के फरार आरोपी विकास अग्रवाल के सिंडिकेट से जुड़े तार खंगालने के लिए की जा रही है जो अनवर ढेबर का करीबी और विवेक अग्रवाल का भाई बताया जा रहा है। राज्य में निर्माणाधीन भारतमाला प्रोजेक्ट में हुए मुआवजा घोटाले में भाजपा-कांग्रेस के विधायक और दिग्गज नेताओं के नाम भी सामने आए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इनकी भूमिका की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिन क्षेत्रों से यह प्रोजेक्ट गुजर रहा है वहां दिग्गज नेताओं ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर जमीन खरीदी बाद में उन्हीं जमीनों का मुआवजा भी लिया पटवारी और आरआई ने मुआवजे के प्रकरण बनाकर कलेक्टर को भेजे जिन पर हस्ताक्षर के बाद मुआवजा जारी किया गया इन नेताओं से जुड़े लोगों के ठिकानों पर ईडी ने 27 अप्रैल को छापेमारी की थी। वहां से कुछ दस्तावेज मिले हैं जिनसे नेताओं की कड़ियां जुड़ने के संकेत मिले हैं। इसमें एक दिग्गज भाजपा नेता से संबंधित दस्तावेज भी शामिल बताया जा रहा है। 12 जिलों के तत्कालीन कलेक्टरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है इनमें से 6 कलेक्टरों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है जिन पर मोटा कमीशन लेने का आरोप है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सरकार के निर्देश पर भारतमाला प्रोजेक्ट के मुआवजा घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। इस मामले की जांच के बाद तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

नर्मदापुरम में ड्राइवर 18 किमी तक दौड़ाता रहा ट्रक

3 जगह बाइक सवारों को मारी टक्कर, रॉन्ग साइड डालने पर रुका, लोगों ने की धुनाई

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में बुधवार रात 11.30बजे एक ट्रक ने 18किमी तक कोहरा मचाया। ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक ट्रक को इटारसी से नर्मदापुरम तक दौड़ते लाया। इस बीच रास्ते में बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से कई लोग बचे। तीन स्थानों पर अलग अलग बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें 4, 5 लोगों के घायल होने की सूचना है।

लापरवाही दौड़ते ट्रक का लोगों द्वारा पीछा किया गया। जिससे रसूलिया में एसबीआई बैंक के पास ड्राइवर ने ब्रिज उतरते ही रॉन्ग साइड ट्रक डाल दिया। जहां ट्रैफिक होने के कारण ड्राइवर ने जैसे ही ट्रक को रोका, पीछा कर रहे लोगों तुरंत उसके पास पहुंचे और ड्राइवर को नीचे उतारकर पिटाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद ही लोगों ने ड्राइवर सार्वजनिक पिटाई शुरू कर दी।

हंगामा, शोर शराबा मोहल्ले के लोग भी बाहर निकल गए। कुछ लोगों ने भीड़ से उस ड्राइवर को बचाया। सूचना मिलते ही देहात थाने से पुलिस स्टॉफ मौके पर पहुंचा। पुलिस ने उस ड्राइवर और ट्रक को थाने ले गई। ड्राइवर नशे धुत मिला। पूछताछ में ड्राइवर ने अपना नाम सत्यम पिता रामजी तिवारी निवासी नागपुर होना बताया। एसआई अरविंद बेले ने बताया पूछताछ में आरोपी का कहना है कि वो कोयला लेकर नागपुर से इटारसी आया। कोयला खाली करने के बाद वो खेड़ा इटारसी में कुछ ड्राइवर के साथ में शराब पार्टी कर रहा था। इस बीच छोटी सी बात पर हमारा आपस में विवाद हो गया। ड्राइवर साथी मुझे मारने लगे। बचने के लिए मैं वहां से दौड़ा और ट्रक चालू कर स्पीड में नर्मदापुरम की ओर दौड़ाने लगा। इस बीच खेड़ा पर एक व्यक्ति को कट लग गई। जिस कारण मौजूद लोग मेरे पीछा करने लगे। मैं घबरा गया और स्पीड में दौड़ने लगा। रास्ते में रेसलपुर और पवारखेड़ा पुलिया पर भी कुछ बाइक को टक्कर मार दी। नर्मदापुरम रसूलिया में घबराहट की वजह से मैंने रॉन्ग साइड सड़क पर ट्रक डाल दिया। देहात थाने के एसआई बेले ने बताया ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उसका मेडिकल कराया गया। कुछ लोगों को चोटें आई है। अस्पताल में आएं मेमो के आधार पर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज करेंगे।

यह कुछ लोग हुए घायल: गांधीनगर इटारसी निवासी सुधा चुटिले, सोनू राजपूत को गंभीर हालत में नर्मदा अस्पताल लाया गया। घायल सुधा सेठा हॉस्पिटल से इलाज करा कर अपने घर इटारसी लौट रही थी। कुछ ओर घायल हुए।

मैहर में बाइक फिसलने से 4 युवक घायल

अस्पताल में भर्ती; बारात में शामिल होकर गांव लौट रहे थे

मीडिया ऑडीटर,मैहर (निप्र)। मैहर जिले में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक सवार चार लोग घायल हो गए। ये सभी लोहड़ी से एक बारात में शामिल होकर अपने गांव भदनपुर लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक फिसल गई।चारों युवक एक ही बाइक में सवार थे। हादसा सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। घायलों की पहचान भदनपुर निवासी अंकित कोल (22), शिव कोल (26), हीरा कोल (28) और भूरी कोल (24) के रूप में हुई है। बाइक फिसलने से चारों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

तेज रफ्तार से हादसा: आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों की मदद की और उन्हें मैहर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों को चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा सड़क पर फिसलन या तेज रफ्तार के कारण हुआ हो सकता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि हादसों के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

पुरानी रंजिश में युवक के सीने में मारी गोली

घायल सागर रेफर; दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से चल रहा था विवाद

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना के भानगढ़ थाना क्षेत्र के कंजिया गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को गोली मार दी गई। गोली युवक के सीने में लगी है, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में सागर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक पिता जगभान यादव (24) बुधवार रात अपने खेत पर मौजूद था। इसी दौरान निरंजन लोधी अपने एक अन्य साथी के साथ वहां पहुंचा और अभिषेक पर कट्टे से फायर कर दिया। गोली अभिषेक के सीने के बाई ओर लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल अभिषेक यादव के चचेरे भाई ज्ञानसिंह यादव की 2022 में हत्या हुई थी। इसी मामले में निरंजन लोधी मुख्य आरोपी था। कोर्ट ने उसे बरी कर दिया था। इस घटना को भी उसी मामले से जोड़कर देखा जा रहा है।

घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया: घटना की सूचना मिलते ही परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था।

घटना की जानकारी मिलते ही भानगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। भानगढ़ थाना प्रभारी धनेंद्र यादव ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई है। घायल के बयान दर्ज होने के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

इटारसी में 342 लीटर शराब जब्त, 2 आरोपी गिरफ्तारं

पुलिस ने हाईवे पर भागती क्रेटा का पीछा किया; चट्टान से टकराकर रुकी

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। इटारसी पथरौटा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एक क्रेटा कार से 342 लीटर शराब जब्त की है। पुलिस ने पीछा कर कार को रोका, जो भागते समय चट्टान से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बैतूल से नर्मदापुरम की ओर एक काले रंग की क्रेटा कार में भारी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-46 पर 11 मुखी मंदिर के पास बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहन का इंतजार शुरू किया।

चालक ने पुलिस को देखकर भागाई गाड़ी: जैसे ही संदिग्ध कार मौके पर पहुंची, चालक ने पुलिस को देखकर अचानक वाहन रोका और यू-टर्न लेकर बैतूल की ओर भाग निकला। पुलिस टीम ने तुरंत पीछा किया और सुखतवा के आगे दांडीवाड़ा के पास कार को घेर लिया। भागने के दौरान चालक ने कार को सड़क से नीचे उतार दिया, जिससे वाहन एक चट्टान से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने मौके पर ही कार में सवार दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान इटारसी निवासी मनोज बामने (50) और पथरौटा थाना क्षेत्र के शिवनगर चांदौन निवासी ममता उइके (40) के रूप में हुई है।

कुल 342 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब जब्त: कार की तलाशी लेने पर उसकी सीट और डिग्गी से खाकी कार्टून में भरी शराब बरामद हुई। इसमें ऑफिसर चॉइस की 7 पेटी, रॉयल स्टेज की 10 पेटी, बैगपाइपर की 10 पेटी और देशी मदिरा प्लेन की पेटियां शामिल थीं। कुल 342 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3.04 लाख रुपए है। इसके अतिरिक्त, लगभग 8 लाख रुपए कीमत की क्रेटा कार भी जब्त की गई, जिससे कुल बरामदगी 11.04 लाख रुपए की हुई।

दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मोनिका गौर, सउनि दुर्गेश मालवीय सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डेढ़ दर्जन केस वाला रिकॉर्ड गुंडा निकला आरोपी: मुख्य आरोपी मनोज बामने (50), निवासी सिंधी कॉलोनी इटारसी, पथरौटा थाने का रिकॉर्ड गुंडा बताया जा रहा है। उसके खिलाफ करीब डेढ़ दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पूर्व कृषि उपज मंडी अध्यक्ष रमेश बामने का बेटा है, जिनका संबंध कांग्रेस से बताया जाता है।

सीहोर में हार्डवेयर दुकान में आग, मालिक झुलसा

पूजा के दौरान दीपक से लगी आग, लाखों का सामान खाक

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के बृजेश नगर में एक हार्डवेयर दुकान में शाम की पूजा के दौरान आग लग गई। इस हादसे में दुकान मालिक लखन मेवाड़ा गंभीर रूप से झुलस गए और दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, बृजेश नगर निवासी लखन मेवाड़ा अपनी हार्डवेयर दुकान में शाम की आरती कर रहे थे। इसी दौरान जलते दीपक की लौ दुकान में रखे कपड़े पर गिर गई, जिससे आग भड़क उठी। आग बुझाने के प्रयास में लखन मेवाड़ा गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें तुरंत इच्छावर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी नाजुक

हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल, लखन मेवाड़ा की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उनका उपचार जारी है।

दमकल देर से पहुंची, ग्रामीणों ने बुझाई आग: परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड को समय पर सूचना दी गई थी, लेकिन दमकल की गाड़ी लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंची। दमकल के अभाव में स्थानीय ग्रामीणों ने पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर खाक हो चुका था।

रतलाम के पिंगलेश्वर स्टेशन पर रुकेगी तीन ट्रेन

जय बाबा गुरुदेव का होना है सत्संग; भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिया स्टॉपेज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। जय बाबा गुरूदेव के 14वें वार्षिक सत?संग एवं भंडारे में आने वाली भीड़ को लेकर रेलवे ने तीन ट्रेनों का उज्जैन के पिंगलेश?वर रेलवे स्टेशन पर अस्थाई रुप से स्टॉपेज दिया जा रहा है। यह स्टॉपेज 11 मई से 17 मई तक दिया जाएगा। रतलाम रेल मंडल जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया गाड़ी संख?या 19339/19340 दाहोद-भोपाल-दाहोद एक?सप्रेस, गाड़ी संख्या 19341/19342 नागदा-बीना-नागदा एक्सप्रेस व गाड़ी संख्या 59319/59320 उज?जैन-भोपाल-उज?जैन पैसेंजर का एक मिनट का स्टॉपेज दिया जा रहा है। स्टॉपेज से रतलाम व आसपास के लोगों को पिंगलेश्वर जाने में सुविधा मिलेगी। दो ट्रेनों के बढ़ाए फेरे समर वेकेशन में ट्रेनों बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम एवं अहमदाबाद-पटना स्पेशल ट्रेनों के फेरों को बढ़ाया है। इन ट्रेनों के दो-दो फेरे बढ़ाए गए है।

मंदसौर में रजवाड़ी ढाबे पर पुलिस की दबिश

33 लीटर शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने मंगलवार रात नयाखेड़ा स्थित रजवाड़ी ढाबे पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ढाबे पर लोगों को अवैध रूप से शराब परोसी जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

बीयर और देसी शराब का जखीरा मिला: दबिश के दौरान पुलिस ने करीब 33.24 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 15,350 रुपये बताई जा रही है। जब्त सामग्री में 24 बीयर (किंग फिशर की 2 पेटी), 42 क्वार्टर देसी प्लेन शराब, 51 क्वार्टर देसी मसाला शराब तथा 4 क्वार्टर ऑल सीजन शामिल हैं। कुल मिलाकर करीब 18 लीटर देसी प्लेन व मसाला शराब और 15 लीटर बीयर बरामद की गई।

एक आरोपी मौके से गिरफ्तार: कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दशरथ पिता इंदर सिंह निवासी ग्राम राजाखेड़ी, जिला मंदसौर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रजवाड़ी ढाबे पर दबिश दी गई थी। मौके से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

कार ने 2 बाइक और 1 ऑटो को मारी टक्कर

हादसे में बाइक सवार की मौत, एक गंभीर घायल राजघाट रोड पर हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। राजघाट रोड पर बीडी अस्पताल के पास एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइकों और एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर एक मकान की दीवार से टकरा गई।

हादसे में बाइक सवार एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। मोतीनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की हुई पहचान, घायल बीएमसी अस्पताल में भर्ती: पुलिस जांच के दौरान मृतक की पहचान कटंगी निवासी रामस्वरूप दीक्षित (50) पिता हरिनारायण दीक्षित के रूप में हुई है। हादसे के वक्त उनके साथ बाइक पर शिवराज गौड़ (45) भी सवार थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल शिवराज को इलाज के लिए बीएमसी (क्लब्ट) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर परिवार वालों को सौंप दिया है।

नशे में था ड्राइवर, हादसे के बाद मौके से भागा: हादसे के प्रत्यक्षदर्शी प्रदीप पटेल ने बताया, 'रात 11.30 से 12 बजे के बीच की घटना है। एक काले कलर की तेज रफ्तार कार ने दो बाइक और आटो टक्कर मारी। जिसके बाद कार मेरे मकान की दीवार से टकरा गई। घटना देख लोग मौके पर पहुंचे। कार में बैठे ड्राइवर को बाहर निकाला। वह नशे की हालत में था। थोड़ी देर बाद वह मौके पर

भाग गया।' आरोपी की तलाश में जुटी मोतीनगर पुलिस

स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना को अंजाम देने वाले कार चालक का नाम राजेश बताया जा रहा है, जो शहर के विवेकानंद वार्ड क्षेत्र का रहने वाला है। मोतीनगर थाना पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज कर फरार आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

कुत्ते के लिए हमदर्दी दिखाने पर दुकानदार की पिटाई

चार युवकों ने पाइप और लात-घूंसों से की पिटाई हाथ-पैरों पर निशान पड़े, केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एक आवारा कुत्ते के लिए हमदर्दी दिखाना दुकानदार को महंगा पड़ गया। कार सवार युवकों ने उसे जमीन पर पटककर लात-घूंसे मारे और हौज पाइप के डंडों से बेरहमी से पिटाई की। बीच सड़क पर गुंडागर्दी की यह घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे नर्मदापुरम के न्यास कॉलोनी क्षेत्र की है। कार से आए युवक इतने आक्रोशित थे कि दुकानदार को बचाने आई परिचित महिला को भी धक्का दे दिया। दुकानदार की बेरहमी से पिटाई के कारण उसके हाथ-पैरों पर निशान पड़ गए। मामले में रात 11:30 बजे दुकानदार अभिजीत राजपूत ने देहात थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने विश्वकर्मा और उसके तीन साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश जारी है।

कुत्ते को गाड़ी से टक्कर मारने पर हुआ विवाद फरियादी अभिजीत राजपूत ने बताया कि घर के पास उसकी किराने की दुकान है। 28 अप्रैल, मंगलवार को करीब 11 बजे मोहित विश्वकर्मा कार से उसकी दुकान के सामने आया। दुकान के सामने बैठे एक आवारा कुत्ते को उसने गाड़ी से टक्कर मार दी। इस पर अभिजीत ने उससे कहा कि बेजुबान जानवर को क्यों मार रहे हो।

रात में साथियों के साथ लौटकर की मारपीट: इसी बात को लेकर वह उससे बहस करने लगा। कुछ देर बाद वह

चला गया। रात करीब 9:30 बजे मोहित विश्वकर्मा दोबारा अपने तीन साथियों के साथ दुकान के सामने आया और गालियां देने लगा। उसने कहा कि सुबह बहुत एडवांस चल रहा था। जब अभिजीत ने उसे गाली देने से मना किया, तो मोहित और उसके तीनों साथी कार से उतरकर उसके पास आ गए। चारों ने उसके साथ मुक्कों-थप्पड़ों से मारपीट की। मोहित ने दुकान के पास पड़े प्लास्टिक के पाइप से भी उसे मारा, जिससे दाहिने पैर और दोनों भुजाओं पर चोट लगी। पसलियों और पीठ में भी चोट आई। उसकी दुकान का सामान और गल्ला भी फैला दिया गया। लात-घूंसों से मारपीट के कारण उसकी नाक में चोट लग गई, जिससे खून निकलने लगा।

पुलिस ने दर्ज किया मामला: इस मामले में एसआई अरविंद बेले ने बताया कि कुत्ते को लेकर दुकानदार के साथ मारपीट की गई है। मोहित विश्वकर्मा और उसके तीन साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उनकी तलाश जारी है।

रोहित शर्मा बर्थडेः आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने हिटमैन को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय किकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का विजेता बनाने वाले रोहित शर्मा गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय किकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्स पर लिखा, मुंबई के राजा और एकमात्र हिटमैन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लिखा, दो आईसीसी ट्रॉफी, एक हिटमैन। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक्स पर लिखा, अरे, आज है ना, हिटमैन का वो है। उस आदमी को जन्मदिन की बधाई जो बल्लेबाजी को आसान बनाता है और किकेट को और मजेदार बनाता है। हिट करते रहो, रो-हिट शर्मा।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने रोहित शर्मा के साथ रवींद्र जडेजा की दो तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

गुजरात टाइटंस (जीटी) ने अपने एक्स पर दो तस्वीरें साझा करते हुए रोहित शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी है। एक तस्वीर टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली है और दूसरी तस्वीर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद की है। चैंपियंस ट्रॉफी वाली तस्वीर में रोहित के साथ जीटी के कप्तान शुभमन गिल भी हैं।

जीटी ने कैप्शन में लिखा, आपको सुपर-हिट जन्मदिन की शुभकामनाएं, रोहित।

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने अपने कप्तान अक्षर पटेल के साथ रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने रोहित शर्मा की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, खुशी, रन और दिल एक साथ खींच रहे हैं। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने रोहित शर्मा की टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, ये, वो और एक ही रो, जन्मदिन मुबारक हो हिटमैन।

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने लिखा, रिकॉर्ड। तारीफ। भारतीय किकेट के एक सच्चे लीजेंड। जन्मदिन मुबारक हो, हिटमैन।

पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने एक्स पर एक वीडियो साझा की है। इसमें रोहित शर्मा टीम के खिलाड़ियों से मिलते हुए दिख रहे हैं। पंजाब ने कैप्शन में लिखा, रोहित के जन्मदिन पर क्या बोलेंगे? हैपी बर्थ डे हिटमैन।

भारतीय किकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी रोहित शर्मा को जन्मदिन पर बधाई दी है।

आईपीएल 2026: शतक जीत की गारंटी नहीं

5 बल्लेबाजों की शतकीय पारी के बाद भी टीम हारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। टी20 में शतक लगाना बड़ी उपलब्धि माना जाता है। किसी बल्लेबाज ने अगर टी20 मुकाबले में शतक लगा दिया, तो उसकी टीम की जीत सुनिश्चित मानी जाती है, लेकिन आईपीएल 2026 में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। इस सीजन में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की टीमें जीती हैं, लेकिन ऐसे बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है जिनके शतक उनकी टीम को जीत नहीं दिला सके। आईपीएल 2026 में 29 अप्रैल तक 41 मैच खेले गए। इन 41 मैचों में 9 शतकीय पारियां आई हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 2, सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 1, मुंबई इंडियंस के तीन बल्लेबाजों तिलक वर्मा, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन ने 1-1, दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने 1, गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 1 और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने 1 शतक लगाया है। कुल 9 शतकों में सिर्फ 4 बार ही ऐसा हुआ है जब टीमें जीती हैं। 5 बार शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की टीम हारी है। सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने सीजन में 2 शतक (दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस) लगाए हैं। दोनों मैचों में सीएसके को जीत मिली है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाया था। मुंबई को इस मैच में जीत मिली थी। सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाया था और इस मैच में उनकी टीम को जीत मिली थी। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने पंजाब किंग्स और रयान रिकल्टन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया था, लेकिन दोनों ही मैचों में मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की श्रेष्ठ पारी (152 रन) खेली थी, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गई यह पारी डीसी के काम नहीं आई और टीम को रिकॉर्ड हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने आरसीबी के खिलाफ शतक लगाया, लेकिन उनकी टीम हारी। किकेट की दुनिया में सेनसेशन बन चुके राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने एसआरएच के खिलाफ शतक लगाया था, लेकिन उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल 2026 में बना नया कीर्तिमान, 18वें सीजन में बना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बल्लेबाजी ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां पहली पारी में बना बड़े से बड़ा स्कोर भी सुरक्षित नहीं रह गया है। आईपीएल 2026 में तो 200 या उससे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का नया रिकॉर्ड बन गया है। आईपीएल 2026 में 29 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एमआई पहली पारी में 243 रन बनाकर भी हार गई। इसके पहले अरुण जेटली किकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 264 रन बनाने के बावजूद पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। ये दो मैच बस उदाहरण हैं। आईपीएल 2026 में ऐसा 10 बार हुआ है जब दूसरी पारी में 200 या उससे ज्यादा का लक्ष्य हासिल करते हुए टीमों ने जीत हासिल की है। यह आईपीएल का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी सीजन में 10 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ था। आईपीएल 2026 का लगभग आधा सीजन बाकी है। ऐसे में 200 या उससे बड़े लक्ष्य को हासिल करने वाली संख्या बढ़ती सकती है। पुराना रिकॉर्ड 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में बना था, जब टीमों ने 9 बार 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल किया था।

आईपीएल 2026 में 200 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल करने वाली टीमों में आरसीबी (2 बार), मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स (3 बार), राजस्थान रॉयल्स (2 बार), और एसआरएच (2 बार) का नाम शामिल है।

आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम है। पंजाब ने इसी साल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 का लक्ष्य हासिल किया है, जो आईपीएल का रिकॉर्ड है। दूसरे नंबर पर भी पंजाब ही है। आईपीएल 2024 में पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 का लक्ष्य हासिल किया था। तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर एसआरएच है। एसआरएच ने 2025 में पंजाब के खिलाफ 246, 2026 में मुंबई के खिलाफ 244 और 2026 में ही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 229 का लक्ष्य हासिल किया है।

यूईएफए चैंपियंस लीगः एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

मैड्रिड ,एजेंसी। यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले लेग में स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। फाइनल का टिकट कटाने के लिए अगले सप्ताह दोनों टीमें लंदन में एक-दूसरे के सामने होंगी। मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से हस्तक्षेप के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का मौका नहीं मिल सका, जो शायद मैच का परिणाम बदल सकता था। एटलेटिको मैड्रिड ने अपने घरेलू मैदान पर मजबूत शुरुआत की। टीम ने लेफ्ट विंग पर एडेमोला लुकमैन और गोलपोस्ट के नीचे जान ओब्लाक को उतारा, जबकि मिडफील्ड में पाब्लो बैरियोस की गैरमौजूदगी में जॉनी कार्डोसो ने जिम्मेदारी संभाली। दूसरी ओर, आर्सेनल के लिए एबेरेची एजे और बुकायो साका पूरी तरह फिट नहीं थे और उन्हें बेंच पर रखा गया। मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमें सतर्क नजर आईं और किसी भी तरह की रक्षात्मक गलती से बचने की कोशिश करती रहीं। आर्सेनल के नोनी मादुके ने दाईं ओर से शानदार दौड़ लगाकर पहला मौका बनाया, जबकि गोलकीपर डेविड राया ने गिउलिआनो शिमोन के प्रयास को नाकाम कर दिया। पहले हाफ के अंतिम मिनट में आर्सेनल को पेनल्टी मिली, जब विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको ने बॉक्स के अंदर धक्का दिया। ग्योकेरेस ने खुद ही पेनल्टी लेकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको ने वापसी कर ली। 56वें मिनट में बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर की मदद से एटलेटिको को पेनल्टी मिली, जिसे जूलियन अल्वारेज ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। 78वें मिनट में आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद जगी, लेकिन वीएआर ने रेफरी के फैसले को पलट दिया। इसके बाद भी आर्सेनल ने कोशिश जारी रखी, लेकिन कोई भी टीम निर्णायक गोल नहीं कर सकी।

ड्रेसिंग रूम में रियान पराग ने किया वेप का इस्तेमाल, बर्ताव पर उठे सवाल

नई दिल्ली ,एजेंसी। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ बुधवार को न्यू चंडीगढ़ में मुकाबले के दौरान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग ड्रेसिंग रूम में वेप का इस्तेमाल करते हुए कैमरे पर कैद हुए। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने पर इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के आचरण को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गईं। भारतीय कानून के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) 2019 के तहत वेप या ई-सिगरेट का उपयोग करना गैर-कानूनी है। यह अधिनियम भारत में ई-सिगरेट और वेप के उत्पाद, बिकी, खरीद, आयात और विज्ञापन पर रोक लगाता है।

आईपीएल के एक सूत्र ने बुधवार को आईएएनएस से कहा, रियान पराग पर इसके लिए प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। अगर उन्हें स्मोकिंग या वेपिंग करनी थी, तो वह बाथरूम या लोगों की नजरों से दूर किसी जगह पर ऐसा कर सकते थे। उन्होंने जो किया, उससे बहुत गलत संदेश जाता है। साथ ही, यह दूसरी बार है जब राजस्थान रॉयल्स को मैदान के बाहर की वजह से जवाब देना पड़ रहा है। इससे पहले रोमी भिंडर के डिवाइस इस्तेमाल मामले पर भी टीम घिरी थी।

पराग से जुड़ा यह विवाद कुछ हफ्तों बाद सामने आया है, जब भिंडर पर आईपीएल मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करने पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था और कड़ी चेतावनी दी गई थी। यह घटना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में हुई थी।

आईपीएल के एक अन्य अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि खिलाड़ियों के लिए अपने व्यवहार और हरकतों के प्रति सजग रहना बेहद जरूरी है, खासकर ऐसे माहौल में जहां कई ब्रॉडकास्ट कैमरे मौजूद होते हैं और छोटी से छोटी चीज भी रिकॉर्ड हो जाती है।

अधिकारी ने कहा, जब इतने सारे कैमरे आसपास हों, तो खिलाड़ियों को समझना चाहिए कि कुछ भी कैद हो सकता है। इसलिए मैच के दौरान अच्छा व्यवहार करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है। रियान पराग थोड़ा और सावधान रह सकते थे, खासकर इसलिए क्योंकि वह टीम के कप्तान हैं और कम उम्र में एक सफल एलीट खिलाड़ी के रूप में पहचान बना चुके हैं। वह भारत के लिए भी खेल चुके हैं। किसी शीर्ष खिलाड़ी का इस तरह की हरकत करते हुए पकड़ा जाना बहुत बड़ी बात है।

रयान रिकेल्टन बने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज

मुंबई,एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बुधवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए महज 44 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इसी के साथ रिकेल्टन एमआई की तरफ से सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस लिस्ट में सनथ जयसूर्या संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। जयसूर्या ने साल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विरुद्ध 45 गेंदों में शतक लगाया था। इसके बाद आईपीएल 2026 में तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ इतनी ही गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था। कैमरून ग्रीन इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 47 गेंदों में शतक पूरा किया था। सूर्यकुमार यादव (49 गेंदें) इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। वानखेड़े स्टेडियम में एसआरएच के विरुद्ध बाएं हाथ के बल्लेबाज रिकेल्टन ने 55 गेंदों में नाबाद 123 रन की पारी खेली। इस दौरान 10 चौके और 8 छक्के लगाए। इस पारी में रिकेल्टन ने 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो एमआई की तरफ से संयुक्त रूप से सातवां सबसे तेज अर्धशतक है। मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक का रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम पर है, जिन्होंने 8 अक्टूबर 2021 को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ महज 16 गेंदों में इस आंकड़े को छुआ था।

फीफा और एएफसी ने अफगान महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लेने की इजाजत दी

वैंकूवर ,एजेंसी। फीफा काउंसिल ने बुधवार को फीफा गवर्नेंस रेगुलेशंस में एक बदलाव को मंजूरी दी, जिससे अफगान महिला खिलाड़ी फीफा कॉम्पिटिशन के हिस्से के तौर पर आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले सकेंगी। अफगानिस्तान की महिला टीम ने 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से कोई आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगी मैच नहीं खेला है। इस ऐतिहासिक फैसले का आखिरी लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ियों को उनके नियंत्रण से बाहर की स्थितियों की वजह से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से बाहर न किया जाए। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, फीफा काउंसिल ने आज फीफा गवर्नेंस रेगुलेशंस में एक अहम बदलाव को मंजूरी दे दी है, जिससे अफगान महिला खिलाड़ी-जिसमें फीफा द्वारा आर्थिक सहायता दी जाने वाली और फीफा-समर्थित अफगान महिला यूनाइटेड टीम की सदस्य भी शामिल हैं-संबंधित लोकल कॉन्फेडरेशन, इस मामले में एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन के साथ अनुबंध में फीफा कॉम्पिटिशन के हिस्से के तौर पर आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकेंगी। फीफा से वित्तपोषित और समर्थित टीम अपना अगला ट्रेनिंग कैंप 1 से 9 जून तक न्यूजीलैंड में लगाएगी, जहां उन्हें कुक आइलैंड्स के खिलाफ खेलने का मौका भी मिलेगा। हालांकि यह बदलाव तुरंत लागू हो गया है, लेकिन फीफा अब जरूरी प्रशासनिक और तैयारी के कदम उठाएगा, जिसमें टीम रजिस्ट्रेशन और एक ऑपरेशनल और स्पोर्टिंग स्ट्रक्चर बनाना शामिल है।

मार्टा कोस्त्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड ,एजेंसी। मार्टा कोस्त्युक ने बुधवार को चेक गणराज्य की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ 7-6(1), 6-0 से जीत हासिल करते हुए अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूकेनी खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए लकी लूजर अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। कोस्त्युक डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर पोटापोवा के खिलाफ 2-2 से बराबर हैं, लेकिन उन्होंने अपने पिछले दो मैच सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में उनका सबसे हालिया मैच भी शामिल है। दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट का मुकाबला होगा। पहले सेट में कुल मिलाकर आठ सर्व ब्रेक हुए। दोनों खिलाड़ियों को मनोलो सैंटाना स्टेडियम के ठंडे तापमान में सर्व पर संघर्ष करते देखा गया। कोस्त्युक ने ब्रेकर में शानदार खेल दिखाया और उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

23 साल की कोस्त्युक ने पूरे मैच में नोस्कोवा की सर्व पर 23 ब्रेक पॉइंट के मौके बनाए, जिनमें से सात को गोल में बदला।

शुरुआती सेट के उलट, कोस्त्युक को जीरो ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा और पूरे दूसरे फ्रेम में सर्व पर सिर्फ एक पॉइंट गंवाया।

कोस्त्युक ने 2018 में टूर्नामेंट में डेब्यू किया था और अपने पहले पांच मेन ड्रॉ में सिर्फ एक मैच जीता था।

इस सीजन में वह बेहतर कर रही हैं क्योंकि उन्होंने इस दो सप्ताह में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है, जिसमें उन्होंने कुछ शानदार जीत हासिल कीं। इसमें राउंड ऑफ 32 में पांचवीं सीडेड जेसिका पेगुला पर एक जीत भी शामिल है।

नोस्कोवा के खिलाफ जीत कोस्त्युक की लगातार 10वीं जीत थी, जो बिली जीन किंग कप में जीत और उसके बाद मुटुआ मैड्रिड ओपन से एक दिन पहले रूएन में टाइटल जीतने पर बनी थी।

जीत के बाद मार्टा कोस्त्युक ने कहा, यह अविश्वसनीय लगता है। अगर किसी ने मुझे कुछ सप्ताह पहले बताया होता कि ऐसा होगा, तो शायद मुझे यकीन नहीं होता। मैं इसके लिए बहुत शुकगुजार हूं।

जनजातीय उत्थान पर बड़ा फोकस- नक्सल मुक्त क्षेत्रों में तेज़ होगा विकास 'नियद नेल्ला नार 2.0' जल्द

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद की बैठक में जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास को लेकर व्यापक चर्चा की गई और अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर, जो भौगोलिक रूप से केरल से भी बड़ा क्षेत्र है, दशकों तक विकास से वंचित रहा, लेकिन अब वहां योजनाओं का तीव्र विस्तार हो रहा है और विकास की नई धारा स्थापित हो रही है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देवगुड़ी और सरना स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध अति कमण को रोकने के लिए प्रभावी और कड़े कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से प्रदेश के 6600 गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं, जबकि पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 32 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। बैठक में नियद नेल्ला नार योजना की उल्लेखनीय सफलता पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री साय ने इसके अगले चरण के रूप में नियद नेल्ला नार 2.0 को शीघ्र लागू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस उन्नत पहल के माध्यम से सुदूर अंचलों में बिजली, पानी, सड़क और राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं का और अधिक विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर योजना के तहत 36 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच का कार्य निरंतर प्रगति पर है। मुख्यमंत्री साय ने जनजातीय भूमि के दीर्घकालीन लीज पर दोहन के मामलों की जांच के निर्देश दिए। साथ ही कोरवा और संसारी उरांव जातियों को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव को शीघ्र केंद्र सरकार को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। शिक्षा और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री साय ने छात्रावासों की सीट वृद्धि, उनके बेहतर रखरखाव तथा शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने नक्सल मुक्त क्षेत्रों में बच्चों के लिए त्वरित शिक्षण व्यवस्था विकसित करने और खुले में कक्षाएं संचालित न करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

खेल अकादमी में चयन के लिए 204 खिलाड़ियों के खेल कौशल का किया गया परीक्षण

रायपुर । खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए आज रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में तीरंदाजी, फुटबॉल और वेटलिफ्टिंग के 204 खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया गया। आवासीय खेल अकादमी में प्रशिक्षण के लिए खिलाड़ियों का चयन मोटर एबिलिटी एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाता है। चयन ट्रायल के तीसरे दिन 30 अप्रैल को हॉकी और एथलेटिक्स अकादमी में चयन के लिए खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल और दक्षता परीक्षण किया जाएगा। अगले दिन 1 मई को मापदंडों पर खरे उतरने वाले खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सुविधा के लिए आवास, भोजन व मेडिकल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के नेतृत्व में बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यार्थियों को बेहतर अवसर, मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण प्रदान कर हम उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। विभाग द्वारा किए गए समन्वित एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों से बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार हुआ है, जो हम सभी के लिए संतोष एवं गर्व का विषय है। यह विचार आज स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने व्यक्त किए। राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे निरंतर एवं योजनाबद्ध प्रयासों के फलस्वरूप कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सुदृढ़ करने हेतु विभाग द्वारा विभिन्न नवाचार आधारित पहलें की गईं, जिनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्य कम में छात्रों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करते हुए राज्य ने देशभर में अग्रणी स्थान प्राप्त किया। मंत्री गजेंद्र यादव द्वारा संभाग स्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकारियों एवं प्राचार्यों को स्पष्ट लक्ष्य प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट परिणाम हेतु प्रेरित किया गया। शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने हेतु सभी जिलों के प्राचार्यों के व्हाट्सएप समूह बनाकर सीधे संवाद, सतत मॉनिटरिंग एवं त्वरित समस्या समाधान की व्यवस्था स्थापित की गई। विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का नियमित मूल्यांकन करने के लिए साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षण आयोजित किए गए तथा उनके परिणामों की निरंतर समीक्षा की गई। पालक-शिक्षक बैठक (च्ज्ड) के माध्यम से अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई, जिसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन एवं परीक्षा तैयारी पर विशेष ध्यान दिया गया। शिक्षकों को प्रश्नपत्र के ब्लू प्रिंट का विषयवार प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा विद्यार्थियों को परीक्षा पैटर्न से परिचित कराया गया। पहली बार ब्लू प्रिंट आधारित प्री-बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन कर विद्यार्थियों को वास्तविक परीक्षा का अनुभव दिया गया। इन परीक्षाओं के परिणामों के विश्लेषण के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष उपचारात्मक कक्षाएं संचालित की गईं।

उत्कृष्ट परिणाम देने वाले प्राचार्यों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय पर्वों 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए समय-समय पर मोटिवेशनल वर्कशॉप एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए, जिससे परीक्षा के भय एवं मानसिक दबाव को कम किया गया। राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों का प्रभार सौंपकर विशेष समीक्षा एवं कार्ययोजनाएं तैयार कराई गईं। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त प्रयास किए गए। शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में ही लक्ष्य आधारित कार्ययोजनाएं तैयार कर समय पर पाठ्य कम पूर्ण कराया गया तथा विद्यार्थियों को पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास कराया गया। टॉपर विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं के अध्ययन से उत्तर लेखन की गुणवत्ता एवं प्रस्तुतीकरण में सुधार किया गया।

शिक्षकों की कमी को दूर करने हेतु प्रदेश स्तर पर युक्तियुक्तकरण कर आवश्यक पदस्थापना सुनिश्चित किया गया। साथ ही पीएम ई-विद्या चैनल के डिजिटल कंटेंट का अधिकतम उपयोग कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। प्रत्येक जिले में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार 'मिशन 90 प्लस', 'मिशन उत्कर्ष', 'मिशन संकल्प' जैसे नवाचार आधारित अभियान संचालित किए गए। इन समस्त प्रयासों के परिणामस्वरूप बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टिकोण का भी विकास हुआ है, जो राज्य की शिक्षा गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जशपुर के 71 हजार से अधिक किसानों को मिला सहारा

आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे किसान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनती जा रही है। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में यह योजना किसानों को नियमित वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है और उन्हें आधुनिक व वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। जशपुर जिले में इस योजना का व्यापक असर देखने को मिल रहा है, जहां 71,733 किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। मार्च 2026 में योजना की 22वीं किश्त जारी की गई, जिसके तहत प्रदेश के 24 लाख 71 हजार किसानों के खातों में 498.83 करोड़ रुपये की राशि सीधे ट्रांसफर की गई। योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर साल 6,000 रुपये की सहायता तीन किस्तों में दी जाती है। यह राशि किसानों को खाद-बीज खरीदने, मजदूरी भुगतान और अन्य कृषि कार्यों में समय पर निवेश करने में मदद करती है, जिससे खेती की निरंतरता और उत्पादकता बनी रहती है। जशपुर के साल्हेकेराडीह गांव के किसान नंदराम बताते हैं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चिप्स के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के उन्नत संस्करण सेवा सेतु का किया शुभारंभ

सेवा सेतु' से सुशासन और पारदर्शिता को मिलेगी नई मजबूती - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) द्वारा आमजन तक प्रभावशाली, पारदर्शी और डिजिटल नागरिक सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत संचालित ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के उन्नत संस्करण 'सेवा सेतु' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव और विजय शर्मा सहित मंत्रिमंडल के सभी मंत्रीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चिप्स के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के उन्नत संस्करण सेवा सेतु का किया शुभारंभ मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से डिजिटल नागरिक सेवाएं और अधिक सशक्त और प्रभावी होंगी। वर्ष 2003 में प्रारंभ हुए चॉइस मॉडल से लेकर वर्ष 2015 के ई-डिस्ट्रिक्ट और अब 'सेवा सेतु' तक छत्तीसगढ़ ने डिजिटल प्रशासन के क्षेत्र में एक लंबी और उल्लेखनीय यात्रा तय की है तथा यह प्लेटफॉर्म अब नागरिक सशक्तिकरण का एक मजबूत माध्यम बन चुका है, जिससे लाखों नागरिकों को लाभ मिला है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'सेवा सेतु' के माध्यम से अब एक ही पोर्टल पर 441 शासकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें 54 नई सेवाएं और 329 री-डायरेक्ट सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब व्हाट्सएप के माध्यम से भी सेवाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी कर विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी कर परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा में 77.15 प्रतिशत तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा में 83.04 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की है, जो प्रदेश की शैक्षणिक प्रगति का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने इस उपलब्धि को राज्य के शिक्षा तंत्र, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने इसे न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास और परिश्रम का प्रमाण बताया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का भी प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद इन विद्यार्थियों ने अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है।

बस्तर के छोटे किलेपाल में दिव्यांगों के जीवन में लौटा आत्मसम्मान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा बीते वर्ष आयोजित सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणाम धरातल पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जहाँ प्रशासन की तत्परता दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले ग्रामीणों के जीवन में स्वावलंबन का नया अध्याय लिख रही है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के सुदूर जनपद पंचायत बास्तानार अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे किलेपाल से एक हृदयस्पर्शी सफलता की कहानी सामने आई है, जिसने शासन की संवेदनशीलता और जनहितैषी दृष्टिकोण को सिद्ध किया है। दंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे इस सुदूर ग्राम छोटे किलेपाल के निवासी सामनाथ ठाकुर और रीता ठाकुर, जो एक ही परिवार के सदस्य हैं, दिव्यांग होने के कारण लंबे समय से गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहे थे। शारीरिक अक्षमता के चलते उन्हें अपनी हर छोटी-बड़ी आवश्यकता और दैनिक वस्तुओं के लिए परिवार के अन्य सदस्यों पर पूरी तरह आश्रित होना पड़ता था।

डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी एप से श्रमिकों को मिलेगा सीधा रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन ने श्रमिकों और नियोजकों के बीच की दूरी कम करने तथा रोजगार के अवसरों को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह आधुनिक प्लेटफॉर्म राज्य के पंजीकृत श्रमिकों को सीधे रोजगार से जोड़ने का कार्य करेगा। इस ऐप के माध्यम से अब नियोजक और श्रमिक सीधे एक-दूसरे से संपर्क कर सकेंगे, जिससे रोजगार प्रक्रिया अधिक सरल और तेज होगी। शासन की इस पहल से बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और श्रमिकों को उनके कौशल और अनुभव के आधार पर त्वरित काम उपलब्ध कराया जाएगा। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि डिजिटल लेबर चौक ई-श्रम साथी एप के माध्यम से रोजगार प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनेगी। श्रमिक और ठेकेदार गूगल प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड कर आसानी से अपना पंजीयन स्वयं कर सकते हैं। इससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया अधिक सुलभ बनेगी। इस प्लेटफॉर्म पर श्रमिकों को उनके हुनर और अनुभव के आधार पर कार्य उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें उचित अवसर मिलने के साथ-साथ आय में भी वृद्धि होगी। शासन का उद्देश्य तकनीक के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक रोजगार पहुंचाना है। इसी कम में श्रम विभाग द्वारा जिला स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर श्रमिकों को इस डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने स्वयं की अपने परिवार की जनगणना

नागरिकों से डिजिटल भागीदारी निभाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने जनगणना 2026 के महाअभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। उन्होंने सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए डिजिटल पोर्टल का उपयोग करते हुए अपने परिवार की स्व-गणना का कार्य स्वयं पूर्ण किया। कश्यप ने अपने निवास पर तकनीक के माध्यम से परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज कर यह संदेश दिया कि आधुनिक भारत में नागरिक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुलभता और शुचिता के साथ कर सकते हैं। स्व-गणना की इस प्रक्रिया को पूरा करने के पश्चात सांसद ने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है।

खनन क्षेत्रों में ड्रोन की निगरानी से खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण में मिल रही मदद

ड्रोन निगरानी से अवैध खनन पर हुआ कड़ा प्रहार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए तकनीक और नवाचार का सहारा लेते हुए एक बड़ी और निर्णायक पहल की है। इसी कड़ी में अब खनन क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की शुरुआत कर दी गई है, जो राज्य में कानून व्यवस्था, खनिज संसाधन की सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण की दिशा में अहम कदम साबित हो रहा है। राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को जड़ से खत्म किया जाए। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से अब खनन क्षेत्रों में रियल टाइम निगरानी संभव हो सकेगी, जिससे अवैध उत्खनन, परिवहन और संबंधित गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। यह कदम न केवल राजस्व हानि को रोकेगा, बल्कि अवैध कारोबार में लिप्त तत्वों के लिए कड़ा संदेश भी साबित होगा। खनिज विभाग का मैदानी अमला पहले से ही अवैध खनन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर रहा था, लेकिन अब ड्रोन तकनीक के जुड़ने से इस कार्रवाई की गति और सटीकता दोनों बढ़ेंगी। ड्रोन से लगभग 5 किलोमीटर तक की रेंज और 120 मीटर तक ऊंचाई से निगरानी की क्षमता के चलते बड़े और दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। ड्रोन के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान कर मौके पर कार्रवाई की जा सकेगी, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्तों के बच निकलने की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन में उच्च-रिज़ॉल्यूशन कैमरा, नाइट विजन और एआई आधारित विश्लेषण प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जो व्यापक और सटीक निगरानी सुनिश्चित करती हैं।

जनगणना 2027 छत्तीसगढ़ में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य हेतु व्यापक तैयारियां, वीसी के माध्यम से समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय महत्व का व्यापक अभियान जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस संबंध में तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों, नगर निगम आयुक्तों एवं प्रमुख जनगणना अधिकारियों के साथ की गई। बैठक में गृह विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे। जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल ने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का व्यापक अभियान है, जिसके माध्यम से देश की जनसंख्या, आवासीय स्थिति एवं सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का सटीक आकलन किया जाता है, तथा मकान सूचीकरण एवं गणना इसकी आधारशिला है।

प्रशिक्षण एवं फील्ड कार्य पर विशेष जोर : जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल ने निर्देशित किया कि सभी जिलों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का समुचित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। फील्ड कार्य के दौरान डेटा संग्रहण की विधि, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा संभावित चुनौतियों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी क्षेत्र गणना कार्य से न छूटे और न ही किसी क्षेत्र का दोहराव हो।

पहचान-पत्र एवं स्थानीय सहयोग की व्यवस्था: बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को फोटोयुक्त पहचान-पत्र जारी किए जाएं, ताकि आम नागरिकों में किसी प्रकार का भ्रम न रहे। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों एवं उनसे सटे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बड़ी आवासीय कॉलोनियों एवं अपार्टमेंट्स में जनगणना कार्य के सुचारू संचालन हेतु आवासीय कल्याण समितियों को आवश्यक निर्देश जारी करने पर भी बल दिया गया।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, संवर रहा परिवार और बच्चों का भविष्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनती जा रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सहारा प्रदान कर रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हुए परिवार के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हर माह मिलने वाली सहायता राशि से ग्रामीण महिलाओं की दैनिक जरूरतें पूरी हो रही हैं और बच्चों की शिक्षा व भविष्य को नई दिशा मिल रही है। सरगुजा जिले के विभिन्न ग्रामों में इस योजना का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत गुमगराकलां की निवासी मती गायत्री साहू बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए नियमित आर्थिक सहारा बन गई है। इससे घर के छोटे-मोटे खर्च आसानी से पूरे हो जाते हैं और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी सहयोग मिल रहा है। वे कहती हैं कि इस सहायता ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आत्मविश्वास दिया है। इसी तरह अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खैरबार की मती सरिता राजवाड़े के लिए भी यह योजना बेहद लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्हें प्रतिमाह मिलने वाली राशि से न केवल घर की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है, बल्कि वे बच्चों की शिक्षा में निवेश करने के साथ-साथ थोड़ी बचत भी कर पा रही हैं। उनके अनुसार, यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक मजबूती का बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। ग्राम गुमगराकलां की ही मती आरती पैकरा की कहानी इस योजना के प्रभाव को और भी स्पष्ट करती है। सीमित आय और खेती पर निर्भर परिवार में आर्थिक तंगी के कारण पहले बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों को पूरा करना कठिन था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा